● वर्ष-3
● अंक-230
रायपुर, रविवार
05 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बदतमीज गिल में नजर आएंगी वाणी...

# अपने महिला नेताओं का अपमान करने वाली कांग्रेस आज नारी न्याय की बात कर रहीः साय

## कोरोना के भयानक दंश को मोदी ने अपनी सूझबूझ से नियंत्रित किया

**रायपुर/नवागढ़/खड़गंवा/सारागांव।** कांग्रेस में भारी आंतरिक कलह है। नारी न्याय की बात करने वाली कांग्रेस पार्टी में उनकी ही महिला राष्ट्रीय प्रवक्ता के साथ अन्याय हो रहा है, कांग्रेस नेता द्वारा उनका अपमान किया गया। ऐसे कांग्रेसी छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को क्या न्याय दिला पाएंगे और बात कर रहे हैं नारी न्याय योजना की। भारत जोड़ो की बात करने वाली कांग्रेस आज अपने घर को नहीं जोड़ पा रही है। इसलिए जनता उनके भ्रम में नहीं आएगी, कांग्रेस को फिर से सबक सिखाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बेमेतरा के नवागढ़, मनेन्द्रगढ़ के खड़गंवा, धरसींवा के सारागांव और रायपुर के गुढ़ियारी में जनसभा को सम्बोधित किया। नवागढ़ में श्री साय ने कहा कि लगातार दो वर्षों तक भारत ने कोरोना का भयानक दंश देखा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

सूझबूझ से 140 करोड़ देशवासियों को देश में निर्मित टीका मुफ्त में लगाया गया। टीके का दो से तीन डोज मुफ्त में देने का काम पीएम मोदी ने किया। कोरोना वैक्सीन का निर्माण भारत में हुआ। जो लोग वैक्सीन पर प्रश्न लगा रहे हैं, दरअसल वो आम जनता को चुनावी फायदे के लिए भयाक्रांत कर रहे हैं, जो बेहद शर्मनाक है। कोरोनाकाल में ही देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में 5 किलो अनाज देने की शुरुआत मोदी जी ने की। यह योजना 2028 तक चलेगी। इसके अलावा एक रुपया किलो चावल भी मिलता रहेगा, यह भी बंद नहीं होगा। श्री सीएम साय ने कहा आज मोदी की वजह से देशवासी सुरक्षित हैं और ये सब उनके कुशल नेतृत्व में ही संभव है।

मनेन्द्रगढ़ के खड़गंवा में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासियों का कोई विकास नहीं किया। उसे केवल बंधुआ मजदूर समझा, वोट बैंक समझा। जबकि भाजपा ने आदिवासियों का भरपूर सम्मान किया, कर रही है और आगे भी करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल जी ने आदिवासियों के हित के लिए अलग से आदिम जाति कल्याण मंत्रालय बनाया, जहाँ आदिवासी मंत्री पदभार संभालते हैं और बजट की कोई कमी नहीं होती है। आज एक आदिवासी परिवार की बेटी, बहन द्रौपदी मुर्मू जी देश की राष्ट्रपति हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि आदिवासियों का हित भाजपा में ही सम्भव है।

सीएम साय ने कहा कि 5 साल छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस पर भरोसा किया, कांग्रेस ने अपनी जेब भरी। कांग्रेस ने प्रदेश की जनता से 36 वादे किए, जिनमें एक भी पूरा नहीं किया। 5 साल जनता के साथ धोखाधड़ी की। खनिज संसाधनों से भरपूर हमारे प्रदेश को चारागाह बनाकर भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला आज पूरे देश में चर्चित है केवल कांग्रेस के कारण। इनके कार्यकाल में शराब दुकानों दो काउंटर होते थे एक का पैसा सिंडिकेट माफियाओं और और दूसरे काउंटर का पैसा दिल्ली में राहुल और सोनिया गांधी तक जाता था। इसी तरह रेत में घोटाला, नगरीय निकायों की जमीनों को अवैध ढंग से बेचा जाना और न जाने कितने ही ऐसे घोटाले जिसमें कांग्रेस ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसलिए जनता ने विधानसभा चुनाव में इन्हें आइना दिखाया, अब लोकसभा की बारी है।

## अरविंदर सिंह लवली भाजपा में शामिल

**नई दिल्ली।** दिल्ली कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अरविंदर सिंह लवली पद से हटने के कुछ दिनों बाद बीजेपी में शामिल हो गए हैं. कांग्रेस छोड़ते समय उन्होंने कहा था कि वह बीजेपी में शामिल नहीं होंगे. अरविंदर सिंह लवली केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मौजूदगी में दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की है.

भाजपा में शामिल होने के बाद अरविंदर सिंह लवली ने कहा,...हमें भाजपा के बैनर तले और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली की जनता के लिए लड़ने का मौका दिया गया है, इसके लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करता हूं... मुझे पूरी उम्मीद है कि देश में प्रचंड बहुमत से भाजपा बीजेपी में शामिल होने के बाद अरविंदर सिंह लवली ने कहा, हमें भाजपा के बैनर तले और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली की जनता के लिए लड़ने का मौका दिया गया है, इसके लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करता हूं. मुझे पूरी उम्मीद है कि देश में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी, आने वाले दिनों में दिल्ली में भी भाजपा का परचम लहराएगा.

दिल्ली कांग्रेस इकाई उथल-पुथल और अंदरूनी कलह से घिरी हुई है, क्योंकि शहर के नेता आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन और आलाकमान द्वारा टिकट में स्थानीय नेतृत्व पर बाहरी लोगों को तरजीह दिए जाने से नाराज और परेशान हैं. दिल्ली के पूर्व मंत्री और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य राजकुमार चौहान ने पिछले महीने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था.

## 4 जून के बाद कांग्रेस में एक और टूट होगी!

**नई दिल्ली।** मार्च में कांग्रेस से निष्कासित किए गए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने लोकसभा चुनाव के लिए रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र को चुनने को लेकर राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। प्रियंका गांधी के चुनावी मैदान में उतरने की सभी अटकलों पर विराम लगने के एक दिन बाद कृष्णम ने भी एक चौंकाने वाला दावा किया और आरोप लगाया कि कांग्रेस जल्द ही राहुल गांधी गुट और प्रियंका गांधी गुट में विभाजित हो सकती है। गौरतलब है कि कृष्णम ने आरोप लगाया था कि प्रियंका गांधी पार्टी में चल रही साजिश का शिकार हुई हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी ने अमेठी छोड़ा है, उससे कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। प्रियंका गांधी का चुनाव नहीं लड़ना अब उनके समर्थकों के दिलों में ज्वालामुखी का रूप ले रहा है जो 4 जून के बाद फूटेगा। कांग्रेस फिर से दो धड़ों में बंट जाएगी, एक राहुल गांधी का और दूसरा प्रियंका गांधी का। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि राहुल गांधी को रायबरेली की बजाय रावलपिंडी से चुनाव लड़ना चाहिए.

## अपहरण मामले में फंसे प्रज्वल के पिता, एचडी रेवन्ना को एसआईटी ने किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** कर्नाटक जनता दल (सेक्युलर) के विधायक एचडी रेवन्ना को उनके खिलाफ दर्ज अपहरण के मामले में कर्नाटक पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने गिरफ्तार कर लिया।

जद (एस) विधायक को उनके पिता और पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के घर से गिरफ्तार किया गया था। अपहरण के एक मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत के उनके अनुरोध को बेंगलुरु की एक अदालत द्वारा खारिज किए जाने के तुरंत बाद कर्नाटक पुलिस टीम ने एचडी रेवन्ना को हिरासत में ले लिया। एचडी रेवन्ना पर अपहरण का मामला चल रहा है क्योंकि आरोप है कि उनके सहयोगी ने एक 20 वर्षीय व्यक्ति की मां का अपहरण कर लिया है। शिकायतकर्ता राजू एचडी अपनी मां के साथ रेवन्ना के फार्महाउस में घरेलू नौकर के रूप में काम करता था। कथित तौर पर रेवन्ना के रिश्तेदार सतीश बबन्ना ने 29 अप्रैल को महिला को उसके घर से अपहरण कर लिया था और उसे कालेनल्ली में विधायक के करीबी सहायक राजशेखर के फार्महाउस में बंधक बनाकर रखा था। महिला को कर्नाटक पुलिस ने दिन में बचाया था।

## लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार देखने छत्तीसगढ़ आया विदेशी राजनयिक दल

**रायपुर।** लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव आम चुनाव की प्रक्रिया, जनता के बीच उत्साह, पार्टियों की सक्रियता और मतदान को समझने के लिए विदेश राजनयिकों का भारत आया एक सात सदस्यीय दल कल रात प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात करने मुख्यमंत्री निवास पहुंचा। श्री साय ने उनसे चुनाव प्रक्रिया को लेकर लम्बी चर्चा की और चुनाव प्रक्रिया की बारीकियां बताई। विदेशी मेहमानों ने भी मुख्यमंत्री से पिछले तीन दिन के अपने अनुभव साझा किये। नेपाल, बांग्लादेश, मॉरीशस और रूस से आए सदस्यों ने मुख्यमंत्री से चुनाव के अनुभव साझा किये। छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, खानपान, मेहमान नवाजी और यहाँ हो रहे विकास कार्यों की जम कर तारीफ भी की। विदेशी मेहमानों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने 25 वैश्विक पार्टियों को लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान को देखने-समझने के लिए आमंत्रित किया। यहाँ उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भाजपा के चुनावी अभियान को समझने का मौका मिला, साथ ही विश्व के सबसे बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में यह पार्टी किस तरह चुनाव लड़ती है।

## ईरान की कैद से 17 भारतीयों को मिली आजादी, दुनिया हैरान!

**नई दिल्ली।** नएक बार फिर भारत ने बड़ी जीत अपने नाम की है। भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी पक्की कर ली है। अरब सागर में मौजूद वो जहाज जिसे ईरान ने अपने कब्जे में लिया था उस पर 17 हिंदुस्तानी सवार थे।

अब खबर आई है कि सभी के सभी भारतीयों को अब ईरान ने आजाद कर दिया है। लंबे संघर्ष और बातचीत के कई दौर के बाद पूरे 17 भारतीय नागरिकों की रिहाई पक्की हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से लगातार ईरान के साथ संपर्क साधा गया था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद अपने समकक्ष ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन के साथ कई बार फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में शिप पर सवार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर जानकारी हासिल की गई। उनकी रिहाई को लेकर ईरान से बात भी की थी।

ईरान ने कहा है कि उसने पुर्तगाली ध्वज वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज़ के सभी चालक दल के सदस्यों को रिहा कर दिया है, जिसके 25 चालक दल में से 17 भारतीय थे।

**प्रमुख समाचार**

### रायपुर सहित 7 सीटों पर आज शाम थमेगा चुनाव प्रचार

**रायपुर।** लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का प्रचार रविवार शाम 5 बजे थम जाएगा. तीसरे चरण के तहत राज्य की सात लोकसभा सीटों रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, कोरबा और सरगुजा में 7 मई को मतदान होगा। तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी क्षण में दोनों प्रमुख राजनीतिक दल-भाजपा और कांग्रेस मतदाताओं को लुभाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। तीसरे चरण के तहत राज्य की सभी सात सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। तीसरे चरण के तहत राज्य की सात लोकसभा सीटों पर 168 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य की इन सात लोकसभा सीटों पर 142 पुरुष और 26 महिला उम्मीदवारों सहित 168 उम्मीदवार मैदान में हैं।. सरगुजा लोकसभा सीट पर सात पुरुष और तीन महिला उम्मीदवारों समेत 10 उम्मीदवार मैदान में हैं. 11 पुरुष और दो महिला उम्मीदवारों सहित 13 उम्मीदवार मैदान में हैं । रायगढ़ लोकसभा सीट पर. जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट पर 12 पुरुष और छह महिला उम्मीदवारों सहित 18 उम्मीदवार मैदान में हैं। कोरबा लोकसभा सीट पर 21 पुरुष और 6 महिला उम्मीदवारों समेत 27 उम्मीदवार मैदान में हैं ।

### पुंछ में एयरफोर्स के काफिले पर आतंकी हमला

**जम्मू।** शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों द्वारा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के काफिले पर गोलीबारी की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ सैन्यकर्मियों को चोटें आईं। यह हमला सुरनकोट के सनाई गांव में हुआ। विवरण का पता लगाने के लिए भारतीय सेना और पुलिस के जवानों को क्षेत्र में भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय राष्ट्रीय राइफल्स इकाई ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। स्थानीय राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। वाहनों को शाहसितार के पास जनरल क्षेत्र में एयर बेस के अंदर सुरक्षित कर दिया गया है। सैन्यकर्मियों को चोटें आई हैं।

### नीतीश ने लालू पर बड़ा हमला अपने हटा तो पत्नी को बनाया

**नई दिल्ली।** परिवारवाद के बहाने एक बार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव और राजद पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने पति-पत्नी के 15 सालों की याद भी लोगों को दिलवाई और एनडीए के पक्ष में मतदान करने की अपील की। दरअसल, नीतीश कुमार मुंगेर में पूर्व जदयू अध्यक्ष ललन सिंह के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। नीतीश ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में कुछ भी नहीं था। हमको जब मौका मिला तो हमने यहां पर विकास का काम शुरू किया। उन्होंने तेजस्वी पर तंज करते हुए कहा कि यह जो अपना प्रचार करते फिर रहे हैं, उनको भी हमने ही बनाया है। लेकिन जब यह गड़बड़ करने लगे तो हमने इनको हटा दिया। लालू यादव पर तंज करते हुए नीतीश ने कहा कि जब अपने हटे तो बीवी को बनवा दिए। देखिए कि उसके बाद 9 गो बाल बच्चा पैदा कर लिया। अब पत्नी के बाद बेटा और फिर बेटी को बना रहे हैं। इसके साथ ही मुंगेर से चुनाव लड़ रही राजद प्रत्याशी पर भी उन्होंने तंज कसा। अशोक महतो को लेकर नीतीश ने कहा कि अपने जेल में था तो चुनाव नहीं लड़ सकता था।

### राजनीति 5 मिनट का नूडल्स नहीं, धैर्य की जरूरत होती है

**नई दिल्ली।** जनसेना के संस्थापक और अभिनेता पवन कल्याण ने कहा है कि राजनीति पांच मिनट का नूडल्स नहीं है और कोई भी त्वरित परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकता क्योंकि नेताओं को उथल-पुथल और असफलताओं को झेलकर लोगों का विश्वास अर्जित करना होता है। 13 मई को होने वाले चुनाव के लिए आंध्र प्रदेश में जनसेना, टीडीपी और बीजेपी एनडीए सहयोगी हैं। आंध्र प्रदेश के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दृष्टिकोण और राज्य में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व को अधिक विश्वसनीय नेतृत्व, प्रतिबद्धता और अनुभव वाले लोग मिले हैं। उन्होंने कहा कि आपको समझना होगा। हम सभी सोचते हैं कि राजनीति एक फास्ट फूड है। आप इसे तुरंत बनाना चाहते हैं। आप तुरंत परिणाम चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह पांच मिनट का मैगी नूडल्स नहीं है। जब मैं लोकनायक जय प्रकाश को देखता हूं, जब मैं रमण लोहिया, सभी बुजुर्गों, यहां तक कि कांशी राम को देखता हूं, वे हारे और उन्होंने हासिल किया। तो यह एक राजनीतिक यात्रा की तरह है जो चलती रहती है।

### औरंगजेब वाला जजिया टैक्स लागू करना चाहती है पार्टी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी और उसके घोषणापत्र पर हमला बोलते हुए कहा कि कहा कि यह जजिया और गोहत्या को बढ़ावा देने की बात करता है और इसकी तुलना मुगल सम्राट औरंगजेब के करूर शासन से की। उन्होंने कहा कि आपने औरंगजेब नामक करूर मुगल शासक का नाम सुना है। सभ्य मुस्लिम परिवार अपने बच्चों का नाम उसके नाम पर नहीं रखते। उसने जजिया कर लगाया। यह क्या है? यह विरासत कर है जिसके बारे में कांग्रेस बात कर रही है। योगी ने कहा कि दूसरी ओर पीएम मोदी कहते हैं कि विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर के लिए हमारा आंदोलन पांच सौ वर्षों तक चला जिसमें लाखों हिंदू शहीद हुए। उन्होंने आगे कहा, विरासत के सम्मान की बात तो छोड़िए, कांग्रेस आपके पूर्वजों की संपत्ति पर टैक्स लगाने की बात कर रही है। राहुल गांधी कहते हैं कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद वह आपकी संपत्ति का एक्स-रे करेंगे और उसका आधा हिस्सा ले लेंगे और इसे विरासत टैक्स कहा जाएगा। क्या आप कभी जजिया देंगे?

# महिलाओं को टिकट देने में सारे ही दलों ने की कंजूसी

**राज कुमार सिंह**

नए संसद भवन में पिछले साल पहला संसद सत्र बुलाया गया। तब भारी सस्पेंस के बीच राजनीति में महिला आरक्षण के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। बेशक संसद और विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण लागू करने की कोई तारीख तय नहीं है, लेकिन उसके बाद यह पहला आम चुनाव है और उस दिशा में ईमानदार पहल की अपेक्षा बेवजह नहीं थी। हालांकि वह उम्मीद पूरी होती नजर नहीं आई।

विधेयक पारित होने के बाद पिछले साल के अंत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए। तब भी राजनीतिक दलों की कथनी-करनी का अंतर दिख गया था। फिर भी उम्मीद थी कि जिस संसद ने महिला आरक्षण पर मुहर लगाई, उसके चुनाव में तो कुछ पहलकदमी दिखेगी। अब नाउम्मीदी का आलम यह है कि पहले दो चरणों में जहां चुनाव हुए, वहां महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत मात्र 8 रहा। अगर 7 मई को होने वाले तीसरे चरण को भी जोड़ लें, तो यह आंकड़ा 9% तक ही पहुंचता है। अति आशावादी भी यह खुशफहमी नहीं पालना चाहेंगे कि शेष चरणों में यह 33% पर पहुंच जाएगा।

पहले चरण में लोकसभा की 102 सीटों पर वोटिंग हुई। इनमें कुल 1625 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से 135 ही महिलाएं थीं। दूसरे चरण में 89 सीटों के लिए कुल 1198 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से मात्र 100 महिलाएं थीं। वचनबद्धता 33% की और अमल की ईमानदारी 10% की भी नहीं! यह वैचारिक बेईमानी नहीं तो और क्या है? देश की आधी आबादी को वोट बैंक मात्र मानने की मानसिकता से राजनीतिक दल कब उबरेंगे?

पहले चरण में जो 135 महिला उम्मीदवार थीं, उनमें भी राज्य की दृष्टि से सबसे ज्यादा हिस्सेदारी उन्हें तमिलनाडु में मिली। तमिलनाडु में 76 महिलाएं चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि राज्य के कुल उम्मीदवारों में उनका प्रतिशत भी 8 ही बैठता है। दूसरे चरण में भी राज्य की दृष्टि से महिला उम्मीदवारी में एक और दक्षिण भारतीय राज्य केरल टॉप पर रहा। केरल में 24 महिला उम्मीदवार रहीं। राजनीतिक दलों की बात करें तो भाजपा ने सबसे ज्यादा 69 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने 44 को। राजनीतिक दलों की कंजूसी के चलते आधी आबादी को उनकी जायज हिस्सेदारी बहुत जल्द और आसानी से मिलने के आसार नहीं दिखते। माना कि अभी तक महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33% हिस्सेदारी की कोई कानूनी बाध्यता नहीं है, लेकिन क्या राजनीति में वैचारिक वचनबद्धता और नैतिक ईमानदारी का कोई अर्थ नहीं?

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर संसद में बहस के दौरान और उसके बाद बाहर भी, कमोबेश सभी दलों ने कहा कि महिलाओं को उनकी अरसे से लंबित राजनीतिक हिस्सेदारी मिलनी ही चाहिए। फिर उन्हें टिकट देने में भी ऐसी हीलाहवाली क्यों? क्या इसलिए कि अभी तक संगठन में भी महिलाओं को अग्रिम पंक्ति में नहीं लाया गया है? जो राजनीतिक दल संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को एक-तिहाई हिस्सेदारी नहीं दे सकते वे संसद और विधानसभाओं में दे देंगे, यह दिन में सपने देखने जैसा है। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ही देश में एकमात्र ऐसा दल है, जो महिलाओं को 33% टिकट देने की अपनी वचनबद्धता पर हर चुनाव में ईमानदारी से अमल करता है। महिला प्रतिनिधित्व के नाम पर टिकट पाने वाली महिलाएं भी आम परिवारों से नहीं बल्कि राजनीतिक परिवारों से आती हैं या फिर सेलिब्रिटी मानी जाती हैं। इसके लिए इतिहास के पन्ने भी पलटने की जरूरत नहीं। वर्तमान लोकसभा चुनाव में जो महिलाएं टिकट पाने में सफल रहीं, उनकी पृष्ठभूमि पर नजर डालना ही पर्याप्त होगा। फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी क्या सिलेब्रिटी होने के चलते ही तीसरी बार मथुरा से चुनाव नहीं लड़ रहीं? नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज को क्या सुषमा स्वराज की पुत्री होने के कारण टिकट नहीं मिला? बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की दो बेटियां, मीसा भारती और रोहिणी आचार्य चुनाव मैदान में हैं। जमुई से चुनाव लड़ रहीं अर्चना रविदास आरजेडी नेता अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव की पत्नी हैं। इसी तरह मुंगेर से आरजेडी उम्मीदवार अनीता देवी महतो, बाहुबली अशोक महतो की पत्नी हैं, जबकि सीवान से जेडीयू उम्मीदवार विजय लक्ष्मी कुशवाहा, विधायक रहे रमेश कुशवाहा की पत्नी हैं। बारामती से एनसीपी उम्मीदवार सुप्रिया सुले, पार्टी प्रमुख शरद पवार की बेटी हैं, जबकि उनके विरुद्ध चुनाव लड़ रहीं उनकी भाभी सुनेत्रा, बागी भतीजे और उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी हैं। बीड़ में भाजपा उम्मीदवार पंकजा मुंडे, पूर्व उप-मुख्यमंत्री गोपीनाथ मुंडे की बेटी हैं। वैसे बीड़ से निवर्तमान भाजपा सांसद प्रीतम मुंडे भी पंकजा की बहन हैं।

# अवैध खननः एक जेसीबी सहित 9 हाइवा किया जब्त

## खनिज विभाग की कार्रवाई, लगाया 3 लाख रुपए जुर्माना

दुर्ग। खनिज विभाग की टीम ने सप्ताह भर में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के मामले में नौ प्रकरण दर्ज किए हैं। इन मामलों में खनिज उत्खनन कर रहे एक जेसीबी सहित परिवहन में लगे 9 हाइवा जब्त किया गया है। मामले खनिज एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लगभग 3 लाख रुपए जुर्माना प्रस्तावित किया गया है।

जानकारी के अनुसार, विभाग की टीम लगातार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दबिश देकर जांच की जा रही है। टीम ने ग्राम थनौद में दबिश देकर जांच की तो अवैध रूप से खनिज उत्खनन करते एक जेसीबी पकड़ाया। वहीं मौके से खनिज परिवहन कर रहे एक हाइवा भी जब्त किया गया। इसी प्रकार जिले भर में अलग-अलग क्षेत्रों दबिश देखकर अवैध खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की भी जांच की गई। जांच के दौरान कुम्हारी, उतई, मचांदूर एवं अंजोरा थाना क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बिना रायल्टी पर्ची के 8 हाइवा में अवैध खनिज परिहवन करना पाया गया। इनमें 4 वाहनों में मुरूम, 2 रेत एवं 1-1 वाहन में चूना पत्थर एवं मिट्टी का अवैध परिवहन किया जा रहा था। इन वाहनों को खनिज सहित जप्त कर संबंधित थाना परिसर में पुलिस अभिरक्षा में खड़े किए गए हैं।

विगत माह में भर में विभाग ने अवैध खनिज परिवहन के मामले में कुल 9 वाहन जब्त किए हैं, जिनके जरिए रेत, मुरूम, चूना पत्थर और मिट्टी का अवैध परिवहन किया जा रहा था। इन मामलों में संबंधितों पर खनिज एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए लगभग 5 लाख रुपए जुर्माना के रूप में वसूल किए हैं।

## रेत के अवैध परिवहन पर बवाल, विरोध करने वाले ग्रामीणों से भिड़े समर्थक

**गरियाबंद।** राजिम इलाके में यूटूबर की पिटाई के बाद अब रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर ग्रामीण आपस में भिड़ गए। हथखोज खदान से अवैध परिवहन को रोकने गए ग्रामीणों में आपस में हुई झड़प का वीडियो सामने आया है।

चौबेबांधा अवैध खदान का कवरेज करने गए यूट्यूबर की हुई पिटाई का मामला शांत हुआ नही था कि अब हथखोज खदान में ग्रामीणों की पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ ग्रामीण रेत का अवैध परिवहन कर रहे हाइवा को रोकते दिख रहे हैं। इसी बीच खदान का समर्थन करने वाले कुछ ग्रामीणों में विवाद हुआ। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और खदान समर्थक लोगों ने परिवहन का विरोध करने वालों की जमकर पिटाई कर दी।

घटना शुक्रवार की दोपहर की है। दरअसल, अवैध माइनिंग को लेकर अब प्रशासन ने पंचायत को नोटिस थमा दिया है, जिसके बाद गांव में अवैध परिवहन को लेकर भी आक्रोश है। जिले में हथखोज खदान की लीज जारी हुई है, लेकिन चिन्हाकित स्थल के बजाए दूसरे इलाके में अवैध खनन जारी है। अवैध खनन के बाद रेत की निकासी के लिए नदी के टीले को काटकर रास्ता बनाया गया है, जो सीधे रायपुर जिले के सीमा में पड़ने वाले रास्ते पर निकलता है। इस विवाद के अब ग्रामीणों का एक जंबो प्रतिनिधि मंडल राजधानी कूच कर सीएम से शिकायत करने की बात कह रही है। राजिम क्षेत्र में राजनीतिक शह पर 8 से भी ज्यादा अवैध खदान संचालित है। जहां रोजाना 400 से ज्यादा खेप रेत की चोरी हो रही है।

# अभिषेक के परिजन मिले उपमुख्यमंत्री साव से

## एसपी को फोन कर दिए उचित जांच के आदेश

**सारंगढ़।** युवा व्यापारी अभिषेक केसरवानी की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी निखिल बरेठ को दोषी साबित कर सलाखों के पीछे भेजा, लेकिन यह बात मृतक अभिषेक के परिजनों द्वारा आजतक पूर्णतः स्वीकार्य नहीं हो पाई है। पूर्व में कुछ दिनों पहले दूसरे व्यापारी गोपेश की दर्दनाक हत्या के बाद मृतक अभिषेक के परिजनों को इंस्टाग्राम के माध्यम से धमकी मिली जिससे मामला और गर्म होता चला गया जिसके कारण व्यापारियों ने थाना पहुंच कर सारंगढ़ बंद का ऐलान कर दिया और सारंगढ़ बंद सफल करने में व्यापारियों के साथ आम जनता ने भी बंद को बखूबी सफल बनाया।

इसके बाद अभिषेक के परिजनों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई और आज उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मिले जिसपर अरुण साव ने तत्काल एसपी शर्मा को फोन कर उचित जांच करने का आदेश दिया। अब आगे यह देखना होगा कि पुलिस कप्तान आगे क्या रणनीति बनाकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव के आदेशों का किस प्रकार पालन करते है और अभिषेक के परिजनों को किस तरह से संतुष्ट करते है।

# 5 गांवों के सरपंच व तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिवों को कारण बताओं नोटिस जारी

■ **अवैध उत्खनन व परिवहन मामला**

**गरियाबंद।** रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन मामले में जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी संबंध में राजिम क्षेत्र के पांच गांवों के सरपंच एवं तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिवों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

एसडीएम राजिम द्वारा ग्राम पंचायत चौबेबांधा, रावड़, सिधौरी एवं हथखोज के सरपंच एवं ग्राम पंचायत सचिवों को गांवों में हो रहे अवैध उत्खनन के संबंध में जवाब प्रस्तुत करने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत परसदाजोशी में पूर्व में अवैध रेत उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर एसडीएम राजिम द्वारा सीमांकन प्रतिवेदन की जानकारी मांगे जाने पर तीन माह उपरांत भी जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर परसदाजोशी के सरपंच एवं तत्कालीन सचिव को भी कारण बताओं नोटिस दिया गया है।

एसडीएम राजिम द्वारा जारी किये गये नोटिस में उल्लेखित है कि अनुविभाग राजिम अंतर्गत रेत खदानों द्वारा निर्धारित समय से परे रेत का परिवहन बगैर आवश्यक दस्तावेज के किया जा रहा है। जिसके संबंध में वरिष्ठ कार्यालयों एवं एसडीएम कार्यालय द्वारा समय-समय पर आकस्मिक निरीक्षण कर नियमानुसार परिवहन करने के निर्देश दिए गए थे। इसके उपरांत भी संबंधितों द्वारा शासन द्वारा बनाये गये नियमों को ताक में रखकर रेत का अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा है। अतएव उक्त कृत्य हेतु क्यों न संबंधितों के विरूद्ध पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 के अधीन कार्रवाई की जावे, उक्त संबंध में एसडीएम कार्यालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, जवाब संतोषप्रद नहीं पाये जाने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

# जिला पंचायत अध्यक्ष यनिता यशवंत ने दिया कांग्रेस से इस्तीफा

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा में लोकसभा चुनाव के लिए सात मई को मतदान किया जाएगा। वहीं कांग्रेस पार्टी को चुनाव के चार दिन पहले बड़ा झटका लगा है। जांजगीर चांपा जिला पंचायत अध्यक्ष यानिता यशवंत चंद्रा ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से लइस्तीफा पीसीसी चीफ दीपक बैज को लिखित में भेजा है। उन्होंने कहा की 20 वर्षो से कांग्रेस पार्टी में काम करते आई हूं। लेकिन कांग्रेस पार्टी का सिद्धांत और विचार से भटक चुकी है।

जिला पंचायत जांजगीर चांपा की अध्यक्ष यनिता यशवंत चंद्रा ने चुनाव के वोटिंग से पहले अपना इस्तीफा पीसीसी चीफ दीपक बैज को 2 मई 2024 को भेजा है। जिला पंचायत अध्यक्ष यानिता यशवंत चंद्रा जोकि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की खेमे की नेत्री हैं। जिन्हे जिला पंचायत अध्यक्ष भी चरणदास महंत ने बनाया था। इस्तीफा सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

वहीं कांग्रेस पार्टी को लेकर कहा की वह 20 वर्षों से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और मुख्यधारा से जुड़ कर काम करती रही। कांग्रेस पार्टी के द्वारा दिए गए दायित्व का निर्वहन करते हुए कांग्रेस पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करती रही हूं। मगर कुछ वर्षों से कांग्रेस अपने मूल सिद्धांत व विचारधारा से भटक गई है एवं त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधियों को हमेशा अनदेखा करने का कार्य करती है। ग्राम पंचायत में विकास का कार्य नहीं हो पाया जिससे मेरी भावनाओं को ठेस पहुंचा है। जिसे लेकर मैं कांग्रेस पार्टी में काम नहीं करना चाहती हूं और कांग्रेस पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देती हूं।

# शिवालय तोड़ने वाले को गिरफ्तार करने की मांग, हिंदू संगठन ने किया हाईवे जाम

**गरियाबंद।** शिवालय तोड़ने वाले असली गुनहगारों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर हिंदू संगठन ने राजिम में नेशनल हाईवे जाम किया। जिले के विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आज राजिम के पंडित श्यामाचरण शुक्ल में एकत्रित होकर नेशनल हाईवे 130 सी को जाम कर दिया है। आक्रोशित संगठन लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। जाम के चलते दोनों छोर में वाहनों की लंबी कतारें लग गई है। इसकी जानकारी मिलते ही एसडीएम अर्पिता पाठक और पुलिस अफसर मौके पर पहुंचकर अब तक हुई कार्रवाई से अवगत कराया। बाकी आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी करने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद जाम को बहाल किया गया। हिंदू संगठन ने 3 घंटे बाद प्रदर्शन खत्म किया।

दरअसल राजिम थाना क्षेत्र के दुतकैया ग्राम में स्थित शिवालय को 30 अप्रेल की रात कुछ असमाजिक तत्वों ने न केवल खंडित किया था बल्कि उस पर शराब भी उड़ेला गया था। मामले की जानकारी 1 मई की सुबह पता लगते ही ग्रामीण बोधन साहू ने मामले की शिकायत राजिम थाने में की। राजिम पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अगले दिन अहमद खान नाम के आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की, जिसमें आरोपी ने एक नाबालिग व अन्य समेत 3 लोग मिलकर घटना को अंजाम देने की बात भी स्वीकार की।

पुलिस ने एक आरोपी को 3 मई को जेल दाखिल करा दिया। एक नाबालिग समेत सफी खान नाम का आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर था। सूचना है कि इन्हें भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इधर हिंदू संगठन के पदाधिकारी शिशुपाल सिंह राजपूत, गौरीशंकर कश्यप ने कहा कि घटना के असली गुनहगारों को नहीं पकड़ा गया है, बल्की जो आदतन आरोपी था, जिसे अन्य वारदात में गिरफ्तारी किया ही जाना था, उसकी गिरफ्तारी कर खानापूर्ति की गई। मामले में अभी पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है।

**छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार**

## भाजयुमो ने कांग्रेस सरकार के वादों को दिलाया याद

**मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर।** कोरबा लोकसभा प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रैली निकाली। भाजयुमो ने चिरमिरी के हल्दीबाड़ी में भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने सांसद ज्योत्सना महंत के मुखौटे पहनकर जुलूस में हिस्सा लिया। भाजयुमो ने अपने हाथों में तख्ती ले रखी थी जिसमें सांसद ज्योत्सना महंत को लेकर कई तरह की बातें लिखी हुई थी। भाजयुमो ने जो तख्तियां लिखी थी उसमें पिछली कांग्रेस सरकार के वादों को याद दिलाया गया था। भाजयुमो ने तख्तियों के माध्यम से संदेश देने की कोशिश की कांग्रेस ने बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था। लेकिन प्रदेश के पूरे बेरोजगारों भत्ता नहीं मिला। और अब महिलाओं को एक लाख देने का वादा कांग्रेस कर रही है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो सालाना 72 हजार रुपए नहीं दे पाए वो एक लाख रुपए कहां से देंगे। बीजेपी मंडल अध्यक्ष सुशील सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूरे जिले को छलने का काम किया है। खासतौर से चिरमिरी को छला है। सांसद का भरतपुर सोनहत में एक बार भी दौरा नहीं हुआ।

## कांग्रेस प्रत्याशी मेनका सिंह के चुनाव लड़ने पर उठे सवाल

**रायगढ़।** हमर राज पार्टी के संस्थापक अरविंद नेताम एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अरविंद नेताम ने रायगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मेनका सिंह के चुनाव लड़ने को लेकर सवाल उठाए हैं। अरविंद नेताम ने कहा कि मेनका सिंह ने दूसरे जाति के व्यक्ति से विवाह किया है, ऐसे में उनकी जाति बदल गई है। लिहाजा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रायगढ़ लोकसभा सीट से मेनका सिंह चुनाव नहीं लड़ सकती। अरविंद नेताम ने मेनका सिंह को समाज से बहिष्कृत बताया है। नेताम की माने तो सामाजिक कानून व्यवस्था के तहत मेनका सिंह को जाति से बाहर किया गया है।क्योंकि उन्होंने दूसरे जाति के व्यक्ति से शादी की थी। नेताम ने इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के बारे में विचार करने की बात कही। अरविंद नेताम ने कहा देश में चाहे बीजेपी की सरकार हो या फिर कांग्रेस की, यहां के जंगल खतरे में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने देश की जंगलों को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को देने का मन बना लिया है। जंगलों में पहला अधिकार आदिवासियों की है।

## नपं सीएमओ की कांग्रेस पार्षद ने बेटे के साथ मिलकर पिटाई

**बलरामपुर।** नगर पंचायत सीएमओ से कांग्रेस पार्षद ने बेटे के साथ मारपीट कर दिया। मामले में सीएमओ के आवेदन पर पुलिस ने कांग्रेस पार्षद पूरन जायसवाल और उनके बेटे करण जायसवाल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, सीएमओ राजेश कुशवाहा स्टाफ के साथ राजपुर नगर पंचायत के वार्ड नम्बर 4 में नाली का निरीक्षण करने के लिए गए थे। इस दौरान कांग्रेस पार्षद पूरन चन्द्र जायसवाल और बेटे करन जायसवाल ने बहस करते हुए सीएमओ से मारपीट की। सीएमओ के आवेदन पर राजपुर पुलिस ने 294, 506, 323, 186, 353, 312, 34 आईपीसी के तहत मामला दर्जल किया है।

## दो भालुओं ने तेंदूपत्ता तोड़ने गए युवक पर किया हमला

**बालोद।** बालोद जिले में तेंदू पत्ता तोड़ने गए युवक पर एक साथ दो भालुओं ने हमला कर दिया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने आपातकालीन वाहन से युवक को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। मामला बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम कांडे का है। घायल युवक का नाम महेंद्र नेताम बताया जा रहा है। महेंद्र नेम तेंदू पत्ता तोड़ने गांव के पास जंगलों में गया था। जहां पर दो जंगली भालू ने उसे पर हमला कर दिया। जिला अस्पताल में घायल महेंद्र नेम का इलाज किया जा रहा है। मौके पर पुलिस सहित वन विभाग के कर्मचारी भी पहुंचे हुए हैं। बता दें कि युवक का शरीर खून से लथपथ हो चुका है और भालू के पंजे के कारण उसकी आंखें भी नजर नहीं आ रही हैं। वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। युवक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है।

## रेलिंग तोड़ते हुए 20 फिट नीचे गिरा ट्रेलर

**कोरबा।** कोरबा में कोयला लोड ट्रेलर वाहन नहर का रेलिंग तोड़ते हुए 20 फिट नीचे गिर गया इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रेलर का चालक एक किलोमीटर दूर पानी के तेज बहाव में किसी तरह तैरते हुए बाहर निकला और अपनी जान बचाई। ट्रेलर चालक की माने तो कुसमुंडा खदान से कोयला लोड कर निकला था जहां सर्वमंगला फाटक पार करते ही सामने अचानक बाइक सवार आ गया जिसे बचाने के फेर में वहां अनियंत्रित हो गया और रेलिंग को तोड़ते हुए नहर में नीचे जा गिरा। इस हादसे के बाद उसने किसी तरह बहते हुए पानी में छलांग लगाया और काफी दूर जाकर बाहर निकला। अगर वहां से नीचे नहीं कूदता तो शायद उसकी जान भी जा सकती थी। इस हादसे में चालक को चोटें आई हैं। सर्वमंगला चौकी प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए वाहन को बाहर निकालने संबंधित विभाग को पानी के बहाव को कम करने के लिए कहा।

# बस्तर, कांकेर, राजनांदगांव और महासमुंद लोकसभा सीट में किसकी लगेगी नैया पार

**ललित कुमार सिंह**

छत्तीसगढ़ में पहले चरण में बस्तर और दूसरे चरण में कांकेर, राजनांदगांव, महासमुंद लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुके हैं। इन चार लोकसभा सीटों पर जनता ने अपना निर्णय सुना दिया है। बीजेपी और कांग्रेस प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला भी कर दिया है। प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। 4 जून को नतीजों के साथ ही इसका खुलासा भी हो जायेगा।

प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार उचित शर्मा ने कहा कि पहले चरण में बस्तर में लोकसभा चुनाव हुआ। वहां तमाम कारण थे। बस्तर बीजेपी का गढ़ रहा है। वर्ष 1952 के चुनाव के बाद देखें तो सबसे ज्यादा निर्दलीय जनप्रतिनिधि वहीं से चुनकर आए हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ बनने के बाद वहां पर बीजेपी का दबदबा रहा है। बीजेपी नेता बलिराम कश्यप के बाद उनके बेटे दिनेश कश्यप का लंबे समय तक इस क्षेत्र में दबदबा रहा। साल 2019 में मोदी लहर के बावजूद पहली बार यह सिलसिला टूट और कांग्रेस ने बस्तर सीट पर कब्जा की। दीपक बैज यहां से सांसद बने। इसी तरह कोरबा में भी चरणदास महंत की पत्नी ज्योत्सना महंत सांसद बनीं। फिलहाल बस्तर में जल, जंगल, जमीन,वनोपज, आरक्षण आदि आदिवासियों के मुद्दे हैं। कांग्रेस के लिए इस सीट को बरकरार रखने की चुनौती है। उन्होंने अपने पुराने मंत्री कवासी लखमा को चुनानी मैदान में उतारा है। वह बस्तर के लालू कहे जाते हैं। उनकी अपनी टीआरपी है। लोग उन्हें पहचानते हैं, जानते हैं इसलिए बस्तर की सीट को बचाने के लिए कांग्रेस जद्दोजहद कर रही हैं। दूसरी और भाजपा बस्तर समेत राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर में कब्जा करना चाहती है। बस्तर, राजनांदगांव, महासमुंद तीनों सीटें आरएसएस की आधार कार्ड रही हैं।

आरएसएस ने यहां हार-जीत की जिम्मेदारी ली है। सेकंड फेस में राजनांदगांव में बीजेपी ने संतोष पांडेय पर दोबारा विश्वास जताया है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने सभी सांसदों का टिकट काटकर केवल दो सांसदों (संतोष पांडे और विजय बघेल) को रिपीट किया है। कांकेर की सीट भी काफी विवादों में रही है। यहां आरक्षण, धर्मांतरण, आएसएस, आदिवासी संघ का प्रभाव रहा है। यहां के भोजराज नाग जो पुराने विधायक हैं वह चुनाव लड़ रहे हैं, उनका भी प्रभाव है। वहीं कांग्रेस के बीरेश ठाकुर जो पिछली बार पीएम मोदी लहर में महज 5 हजार वोटों से हारे थे। वह एक जमीनी कार्यकर्ता हैं और काफी लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं। इस बार भी वह संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में बीजेपी की राह यहां आसान नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस प्रदेश में पहली बार पांच साल सरकार के बाद पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है। पांच सालों में उनके रीति-नीति, विचारधारा योजनाएं और जो आर्थिक नीतियां बनाई हैं। ऐसे में इस बार बीजेपी के लिए इतना आसान नहीं होगा कांग्रेस को हरा पाना।

कवासी लखमा और चरणदास महंत के पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि ऐसे ऐसे बयान दिए जाते हैं और दिलवाये जाते हैं, लेकिन जनता इसे याद नहीं रखती। एक नरेटिव सेट करने की कोशिश जरूर की जाती है पर इसे जनता उतना तवज्जो नहीं देती। इन बयानों से चुनाव में कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ता है।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश में चार लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुके हैं। बाकी सात सीटों पर मतदान बचे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहां के राजनीतिक परिदृश्य को देखें बीजेपी ज्यादा मेहनत रही है। कांग्रेस तीन-चार सीटों के बाद एक औ दो सीटों पर पहुंच गई। इसलिए ऐसा लग रहा है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लिए चुनौति ज्यादा है। पिछले 24 सालों से वह एक-दो सीट से आगे नहीं बढ़ पा रही है। ऐसे में पार्टी को यह तय करना होगा कि ऐसे नेता आगे रखे जो नारा, नीति और नेतृत्व दे सके। हालांकि पूर्व सीएम भूपेश बघेल उनके पास हैं पर वो खुद चुनाव लड़ रहे हैं। हर जगह मोदी की गारंटी चल रही है। ऐसे में छत्तीसगढ़ कांग्रेस से ऐसा चेहरा होना चाहिये जो मोदी की गारंटी पर बराबर लड़ सके। जिसके आधार पर कांग्रेस को वोट मिल सके। ऐसा बड़ा चेहरा कांग्रेस के पास है, लेकिन वह खुद ही चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस की तरफ से जो दिग्गज चेहरे हैं वह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत, दीपक बैज आदि हैं। राजनांदगांव से भूपेश बघेल, बस्तर से दीपक बैज, कोरबा से चरणदास महंत और सरगुजा से टीएस सिंहदेव की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

उन्होंने कहा कि जहां तक बीजेपी पर बात करें तो उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। विधानसभा चुनाव में उसकी सरकार बन चुकी है। लोकसभा चुनाव में वह नौ सीटें जीत भी जाती है तो भी बीजेपी के लिए खोने के लिए कुछ नहीं है। हालांकि वह 11 का दावा कर रही है। पार्टी 9 से 10 सीटों तक पहुंच सकती है। सीएम विष्णुदेव जो सरगुजा का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां पर उनकी भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। सरोज पांडेय बीजेपी की बड़ी राष्ट्रीय नेत्री हैं उनका भी भविष्य दांव पर लगा हुआ है।

## संक्षिप्त समाचार

### राजधानी में हमर राज पार्टी ने निकाली बाइक रैली, जनता से मांगे वोट

**रायपुर।** लोकसभा चुनाव 2024 में हमर राज पार्टी ने भी अपना प्रत्याशी मैदान में उतारा है और रायपुर लोकसभा के प्रत्याशी सुरेश कुमार नेताम के नेतृत्व में मठपुरैना से बाइक रैली निकाली जो शहर का भ्रमण करते हुए लक्ष्मी नगर में संपन्न हुई। इस रोड शो को हजारों की भीड़ ने नेताम का जगह-जगह स्वागत किया एवं साथ देने की बात कह। तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होना है और जैसे-तैसे तारीख नजदीक आ रही है प्रत्याशी जनता के बीच पहुंचकर वोट मांगने में जुट गए है। इस क्रम में हमर राज पार्टी के रायपुर लोकसभा प्रत्याशी सुरेश कुमार नेताम के नेतृत्व में मठपुरैना से बाइक रैली के बाइक से रोड शो शुरु हुआ जो संतोषी नगर, भाटागांव, कुशालपुर, लाखे नगर चौक, बुढ़ा तालाब, कालीबाड़ी चौक, टिकरापारा, संतोषी नगर होते हुए लक्ष्मी नगर में समाप्त हुआ। इस रैली में हमर राज पार्टी संयोजक अरविंद नेताम, पूर्व कैबिनेट मंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष हमर राज पार्टी अकबर कोर्राम, राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार नागवंशी, जिवराखन मरई, चुनाव प्रभारी महेश रावटे, कोषाध्यक्ष बीएस रावटे, कार्यकारिणी अध्यक्ष एवं हजारों की संख्या कार्यकर्ता उपस्थित थे।

### अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज

**रायपुर।** बहुचर्चित आबकारी घोटाले मामले में जेल में बंद आरोपी अनवर ढेबर की जमानत याचिका पर शनिवार को एसीबी ईओडब्लू के स्पेशल कोर्ट सुनवाई हुई। इस दौरान दोनो पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज कर दी और अनवर को 16 मई तक न्यायिक हिरासत में जेल में भेजने के निर्देश दिए।

### सीबीएसई 10वीं - 12वीं के नतीजे 20 के बाद, बोर्ड ने जारी किया नोटिफिकेशन

**रायपुर।** सीबीएसई द्वारा आयोजित 10 वीं 12 वीं के परीक्षा परिणाम 20 मई के बाद जारी किये जायेंगे। इस आशय की जानकारी बोर्ड ने सीबीएसई रिजल्ट डॉट एनआईसी डॉट इन वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी कर सूचना दी है कि नतीजे 20 मई के बाद जारी किए जा सकते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बोर्ड रिजल्ट का छात्र और परिवारजनों को बेसब्री से इंतजार है, 10वीं और 12वीं की परीक्षा दे चुके छात्रों के परिणामों को लेकरसीबीएसई रिजल्ट डॉट एनआईसी डॉट इन वेबसाइट ने नोटिफिकेशन जारी कर बताया है कि नतीजे 20 मई के बाद जारी किए जा सकते हैं। इस साल सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा करीब 39 लाख स्टूडेंट्स दी है।

### अंतर्राज्यीय नाबालिग गांजा तस्कर रायपुर में गिरफ्तार

**रायपुर।** रायपुर पुलिस ने निजात अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। रेलवे स्टेशन से ओडिशा के नाबालिग गांजा तस्कर को पकड़ा है। अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर 10 किलोग्राम गांजा को ट्रॉली बैग में भरकर बेचने के फ़िराक में ग्राहक की तलाश कर रहा था। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसे रंगे हाथ गिरफ्तार किया। साथ ही उसके कब्जे से दो लाख रुपये का गांजा जब्त किया गया। मामले में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट अंतर्गत नारकोटिक्स सेल की टीम को सूचना मिली कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत रेलवे स्टेशन स्थित गेट नंबर दो के पास एक लड़का अपने पास बैग में गांजा रखा है। उसे बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। इसके बाद पुलिस मिली जानकारी के अनुसार बताये जगह पर पहुंची। वहीं लड़के की पतासाजी करते हुए लड़के को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। लड़का नाबालिग है। पुलिस के पूछताछ में उसने ओडिशा का होना बताया। मौके पर पुलिस टीम ने उसके पास रखें बैग की तलाशी लेने पर बैग में गांजा रखा होना पाया। इस दौरान नाबालिग को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। जब्त गांजा की कीमत दो लाख रुपये आंकी है। साथ ही नाबालिग के खिलाफ थाना गंज में नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

### समर कैम्प में बच्चों को सायबर क्राइम के बारे में किया गया सचेत

**रायपुर।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प में सायबर एक्सपर्ट कु. सोनाली गुहा और आशीष गुहा ने बच्चों को सायबर क्राईम से बचने के लिए विभिन्न तरीकों से अवगत कराया। सायबर एक्सपर्ट ने बताया कि हमें मोबाईल पर आए दिन जो नौकरी के लिए भर्तियों के विज्ञापन आते हैं, उनका सावधानी से अध्ययन करना चाहिए। प्रायः यह झूठे होते हैं। हैकर लोग इसी बहाने आपकी जानकारी चुराने के लिए ऐसे पोस्ट करते हैं। हैकर से बचने के लिए अपने मोबाईल और लैपटॉप में एंटीवायरस जरूर डाल लें। कु. सोनाली गुहा ने सावधान करते हुए कहा कि जब सार्वजनिक शौचालय या ड्रेसिंग रूम में जाते हैं तो अपने मोबाईल में हिडन कैमरा डिटेक्टर एप को चालू करके चेक कर लें कि कहीं छुपा हुआ कैमरा तो वहां पर नही लगा है। चेक करने के उपरांत ही उस जगह का उपयोग करें। उन्होने लेपटॉप का उपयोग करने वाले बच्चों को सुझाव दिया कि थोड़े दिनों के अन्तराल में पासवर्ड बदलते रहें। इसी तरह लेपटॉप के फ्रन्ट कैमरे में बिन्दी चिपका कर रखें ताकि अवांछित वीडियो काल के स्कैम से बचे रहें। उन्होने बच्चों को बतलाया कि यदि मोबाईल पर 92 सीरियल से कोई फोनकॉल आता है तो उसे अटेण्ड नही करे। आपकी उम्र अठारह वर्ष से कम है तो साईबर क्राईम होने पर चाईल्ड केयर में फोन कर सकते हैं अन्यथा 1930 या 112 पर फोन करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। वहां आपकी शिकायत सुनी जाएगी घबराना नही चाहिए।

# भ्रष्टाचारी पूर्व सीएम हो या कोई और जाना पड़ेगा जेल : साय

■ छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की अब खैर नहीं

**रायपुर।** जैसे-जैसे तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव की घड़ियां नजदीक आ रही हैं। वैसे-वैसे बयानों के तीर आक्रामक और तेज होते जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस ने लोकलुभावन जन घोषणा पत्र जारी किया था। जिसमें 36 वादे किये थे, उनको पूरा समय मिला सरकार चलाने का लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किये। साथ ही 5 सालों में कांग्रेस ने छत्तीसगढ को अपराध और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया। कोयला, बालू, शराब, डीएमएफ राशि में घोटाला जैसे बहुत से घोटाले कर जनता के विश्वास से उतर चुकी थी। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने शीर्ष एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर एकजुट होकर काम किया, जिसके कारण हमें अच्छी सफलता मिली। सीएम साय ने एक साक्षात्कार में उक्त बातें कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की पूरी सीटें जीतने के सवाल पर साय ने कहा कि पहले 2 बार के चुनाव में 11 में से 10-10 सीटें हम लोग जीत चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में 15 सीटों पर आ गए थे, लेकिन वहीं 5-6 महीने बाद जब लोकसभा चुनाव हुए तो 11 में से 9 सीट एवं विधानसभा की दृष्टि से 65 सीटें बीजेपी ने जीती थी। इस बार प्रधानमंत्री के 10 सालों के कार्यों का मूल्यांकन जनता के पास है। पिछले तीन महीने में हमारी छत्तीसगढ़ की सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े काम किए हैं।

सीएम ने कहा कि 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है, 12 लाख से ज्यादा किसानों को 2 साल से ज्यादा का बकाया बोनस 3716 करोड़ रुपया दिए हैं, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी एवं प्रति क्विंटल 3100 रूपये धान की कीमत मिली है और 24 लाख 72 हजार से ज्यादा किसानों को 13320 करोड़ रुपए अंतर की राशि दी गई है। हमारी जो विवाहित माताएं-बहनें हैं उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत 2 महीने का जो उनका 1000 रुपया का किस्त है, वो देने का काम किए हैं। हर महीने के पहले सप्ताह में उनको किश्त दे देंगे। रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो चुकी है। बस्तर-सरगुजा जैसे आदिवासी बाहुल्य संभाग में तेंदूपत्ता जहां आय का एक बड़ा स्रोत है। उसे 4000 से बढ़ाकर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा खरीदने का सरकार आदेश कर चुकी है और ये सभी काम मोदी के गारंटी के अंतर्गत हो रहे हैं। जिनका असर जनता पर हो रहा है। इस कारण उम्मीद है कि इस बार छत्तीसगढ में पूरी 11 में से 11 सीट बीजेपी जीतेगी और रिकॉर्ड टूटेगा।

### पीएम और गृहमंत्री ने नक्सलवाद खत्म करने का लिया है संकल्प

नक्सलियों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता के बात पर सीएम साय ने कहा कि इसका श्रेय तो डबल इंजन सरकार को जाता है। जिसके तहत हम मजबूती से लड़ पाए हैं और केंद्र से बहुत सहयोग भी मिला है। प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री ने नक्सलवाद खत्म करने का संकल्प लिया है। प्रदेशवासियों ने देखा है कि पिछले 3 महीने में लगातार नक्सली मारे जा रहे हैं, आत्मसमर्पण भी कर रहे हैं और ये बड़ी सफलता हमारे सैनिकों को मिल रही हैं। आज पूरे देश में भाजपा के प्रति और मोदी जी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। पहले कांग्रेस वर्सेज ऑल होते थे आज बीजेपी वर्सेज ऑल है। ये हम लोगों का अचीवमेंट है। सही मायने में भाजपा में लोकतंत्र है, कार्यकर्ताओं का सम्मान है। प्रत्येक 3 साल में पदाधिकारी बदल जाते हैं। एक हमारे जैसे छोटे से गांव का व्यक्ति, किसान का बेटा मुख्यमंत्री बन सकता है, चाय बेचने वाले का बेटा देश का प्रधानमंत्री बन सकता हैं। ये सब बीजेपी में ही संभव है।

उन्होंने कहा कि बाकी सभी पार्टियों के लोग बीजेपी से डरे हुए हैं। इन सभी ने भ्रष्टाचार किया है और इनको लगता है बीजेपी फिर सरकार में आई तो इन सब लोगों की जगह जेल होगी। यहीं कारण है कि इनके न इनके विचारों में तालमेल है न ही इनका ग्राउंड लेवल पर कोई कनेक्शन है। इसके बावजूद भी ये सब एक होके सिर्फ और सिर्फ भाजपा और पीएम मोदी को नीचे दिखाना चाहते हैं। लेकिन इस मंसूबे में वो कभी कामयाब नहीं होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ऊपर एफआईआर को उनके द्वारा गलत बताए जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ये तो अब वो ही जाने, एजेंसियां तो जांच कर रही है। आगे वो दोषी पाए जाते हैं तो कानून सबके लिए बराबर हैं चाहे कोई पूर्व मुख्यमंत्री हो या एक आम आदमी। आरोप सिद्ध होंगे तो जेल तो जाना पड़ेगा। घोटालेबाजों के जेल जाने के सवाल पर श्री साय ने कहा कि पिछले पांच साल में जो शराब, कोयला, डीएमएफ फंड सहित बहुत से भ्रष्टाचार हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री पर भी जो महादेव ऐप में प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप है, एफआईआर भी हुई है। सभी की लगातार जांच चल रही हैं। पीएससी घोटाला एवं बिरनपुर हत्याकांड की जांच भी सीबीआई ने शुरू कर दी है और जो भी दोषी पाए जाएंगे वो बख्शे नहीं जाएंगे।

पीएम मोदी पर कांग्रेस नेताओं की ओर से अनर्गल बयानबाजी के सवाल पर सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो गई है। उनको हार स्पष्ट नजर आ रहा है। इसलिए उनको जो बातें नहीं कहनी चाहिए वो बातें भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जैसे व्यक्ति के खिलाफ कांग्रेस नेता अनर्गल बातें कर रहे हैं। लेकिन इससे हम लोगों को ही फायदा होगा क्योंकि देश की जनता ये सब स्वीकार नहीं करती है। सीएम साय ने कहा कि विनम्र होना और कड़ाई से रूल करना दोनों अलग-अलग चीज है। विनम्र है इसका मतलब ये नहीं हैं कि सरकार भी उसी तरह से चलेगी। हम विनम्र जरूर हैं, लेकिन आज हमारे तीन महीने के कार्यों का का मूल्यांकन करिए। आज किस तरह नक्सलवाद से लड़ रहे हैं, किस तरह निर्णय ले रहे हैं। छत्तीसगढ़ के हित में जनहित में यदि कठोर से कठोर निर्णय भी लेना पड़ेगा तो हम उसमें भी सक्षम हैं।

# लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्यौहार देखने छत्तीसगढ़ आया विदेशी राजनयिक दल

■ मुख्यमंत्री से मिल समझी चुनावी प्रक्रिया
■ अतिथियों ने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, खानपान, मेहमाननवाजी की तारीफ की

**रायपुर।** लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव आम चुनाव की प्रक्रिया, जनता के बीच उत्साह, पार्टियों की सक्रियता और मतदान को समझने के लिए विदेश राजनयिकों का भारत आया एक सात सदस्यीय दल कल रात प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य मुलाकात करने मुख्यमंत्री निवास पहुंचा। श्री साय ने उनसे चुनाव प्रक्रिया को लेकर लम्बी चर्चा की और चुनाव प्रक्रिया की बारीकियां बताई। विदेशी मेहमानों ने भी मुख्यमंत्री से पिछले तीन दिन के अपने अनुभव साझा किये।

नेपाल, बांग्लादेश, मॉरीशस और रूस से आए सदस्यों ने मुख्यमंत्री से चुनाव के अनुभव साझा किये। छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, खानपान, मेहमान नवाजी और यहाँ हो रहे विकास कार्यों की जम कर तारीफ भी की। विदेशी मेहमानों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने 25 वैश्विक पार्टियों को लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान को देखने-समझने के लिए आमंत्रित किया। यहाँ उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी भाजपा के चुनावी अभियान को समझने का मौका मिला, साथ ही विश्व के सबसे बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में यह पार्टी किस तरह चुनाव लड़ती है। उन्होंने यह भी देखा।

इस दौरान सीएम साय ने सभी अतिथियों को बस्तर, सरगुजा और जशपुर के प्राकृतिक पर्यटन

स्थलों के बारे में अवगत कराया। वहां की आदिवासी संस्कृति, कला, वेशभूषा और खानपान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने अतिथियों को मात्र 3 महीने की उनकी सरकार में जनहित के किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। एक-एक जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उसके लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। छत्तीसगढ़ घूम कर सभी अतिथि बहुत ही खुश दिखे और मौका मिलने पर फिर यहाँ आने की बात कही।

छत्तीसगढ़ आने वाले सदस्यों में बांग्लादेश की पार्टी बांग्लादेश आवामी लीग के सांसद डॉ. सलीम महमूद, रूस की यूनाइटेड रशिया पार्टी की सांसद श्रीमती वालेरिया गोरोकोवा, श्रीमती क्रिस्टीना अनैनीना, मॉरीशस की पार्टी मॉरिशियन सोशल डेमोक्रेट के सांसद श्री ओगेन्द्र नाथ सिंह सिकुन, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ नेपाल के सांसद श्री विष्णु रीमल, श्री मात्रिका प्रसाद यादव, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद श्री शिशिर खानाल ने भारतीय जनता पार्टी के बीजेपी को जानें कैंपेन के तहत छत्तीसगढ़ में भाजपा के चुनाव प्रचार को करीब से देखा।

गौरतलब है कि इस कैम्पेन के तहत भाजपा का प्रमुख मकसद पार्टी को ज्यादा से ज्यादा विस्तार देना है। जिसके तहत विभिन्न देशों के अलग-अलग पार्टियों के सांसद भारत के सबसे बड़े चुनाव आम चुनाव को करीब से देख रहे हैं। भाजपा के चुनाव प्रचार को समझ रहे हैं।

### अनुज शर्मा ने गाया लोक गीत, जीता दिल

मुख्यमंत्री निवास में सीएम साय से मिलने आये विदेशी राजनयिकों के दल को विधायक अनुज शर्मा ने लोक गीत से मंत्रमुग्ध कर दिया। अनुज शर्मा ने दल को प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी लोक गीत *माते रहिबे रे अलबेला मोर* सुनाया। मुख्यमंत्री ने भी अनुज शर्मा के लोक गीत का आनंद लिया। सभी ने ताली बजाकर अनुज शर्मा का अभिनंदन किया।

## अधोसंरचना विकास की अनदेखी से बिजली की आँख-मिचौली, साय सरकार दिलाएगी राहत

**रायपुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के जरूरतमंद गरीब, ग्रामीण परिवारों को 18 लाख मकानों से वंचित करने की पूर्व राज्य सरकार की मंशा तो उजागर हो गई लेकिन मोदी सरकार की अन्य कई योजनाएं भी पूर्व सरकार की हठधर्मिता के कारण पूरी नहीं हो पाई, जिसका खामियाजा आज प्रदेश के कम से कम एक दर्जन से अधिक जिलों के ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है और बिजली की आँख-मिचौली की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ में कृषि पंपों की संख्या लगभग 6 लाख है। जिनकी सघनता मुख्यत: महासमुंद, धमतरी, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, राजनांदगांव, मुंगेली, कोरबा, सारंगढ़, रायगढ़, रायपुर, कांकेर, कोंडागाँव, खैरागढ़ आदि जिलों में है। एक अनुमान के अनुसार प्रदेश के कुल 6 लाख पंपों में से लगभग 70 प्रतिशत पंप इन्हीं जिलों में है जहाँ लो-वोल्टेज की समस्या उत्पन्न हो रही है। रबी मौसम अर्थात ग्रीष्मकालीन खेती के समय विद्युत प्रणाली पर लोड अचानक बढ़कर लगभग डेढ़ गुना हो जाता है। उदाहरण के लिए 4500 मेगावॉट के सामान्य लोड की तुलना में ग्रीष्मकाल में लोड बढ़कर 6300 मेगावॉट हो गया है। इस स्थिति से बचने के लिए कृषि पंपों में, संबंधित उपकेंद्रों में कैपेसिटर स्थापित करने से रिएक्टिव लोड को नियंत्रित किया जा सकता है इसके अलावा 5 साल पहले राज्य-स्तर पर फीडर सेपरेशन की योजना भी शुरू की गई थी। विगत सरकार ने इन उपायों पर ध्यान नहीं दिया तथा नरवा-गरवा जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी जिसके कारण मुख्य तकनीकी उपायों की प्राथमिकता ही समाप्त हो गई और विगत 5 वर्षों में टेक्निकल अपग्रेडेशन का नगण्य कार्य किया गया। इस तरह विद्युत प्रदाय की बुनियादी अधोसंरचना विस्तार का कार्य भी प्रभावित हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जहाँ कहीं भी गंभीर समस्या दिखाई पड़ रही है वहाँ आपात स्थिति से बचकर कार्य किया जाए और ग्रामीण अंचल के लोगों को राहत दिलाई जाए। किसी भी स्थिति में प्रदेश में किसी भी स्थान पर अप्रिय स्थिति नहीं बननी चाहिए और न ही कानून-व्यवस्था में व्यवधान होना चाहिए।

# आईजी और एसएसपी ने सुरक्षा बलों की ली मीटिंग

**रायपुर।** रायपुर कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में पुलिस ऑब्जर्वर पुलिस महानिरीक्षक विपिन शंकर राव अहिरे, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने रायपुर जिले में आये केंद्रीय अर्धसैनिक बल के अधिकारियों की मीटिंग ली। उन्होंने सुरक्षा बालों को लोकसभा चुनाव के संबंध में आवश्यक ब्रीफ किया गया। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के चुनाव ड्यूटी के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले-दूसरे और तीसरे चरण के चुनाव में दोनों जगहों की परिस्थितियां अलग-अलग है। यहां की राजनैतिक परिस्थितियां अलग हैं, जिसके लिए चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश के बारे में बताया गया कि फोर्स को क्या करना है? क्या नहीं करना है। यहां फोर्स खुश होकर अपनी ड्यूटी करें। कलेक्टर ने गर्मी के मौसम को देखते हुए इनके बेहतर एकोमोडेशन के

लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने कहा।

एसएसपी ने उन्हे बताया कि आप पहले छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चुनाव संपन्न कराकर आये हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की भौगोलिक और राजनैतिक परिस्थितियां रायपुर की अपेक्षा अलग है। अब आप सामान्य क्षेत्र में ड्यूटी करने के लिए उपस्थित हुए हैं। यहां पर राजनैतिक संवेदनशील पोलिंग बूथ में आपकी ड्यूटियां लगाई जायेगी। यहां जो लोग आने वाले है, वे सम्माननीय हैं। उन्हे भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यवस्थित ढंग से मतदान कराना है। फोर्स को चुनाव आचार संहिता के दौरान क्या करना है, क्या नहीं करना है। इसके बारे में ब्रीफ कर बताया गया। सभी मतदान केंद्रों में संख्या के आधार पर अर्धसैनिक बलों की ड्यूटी संवेदनशीलता के आधार पर लगाई जायेगी। पेट्रोलिंग में पर्याप्त जवानों की ड्यूटियां लगाई जा रही है। साथ ही उन्हें आवश्यक नंबर भी दिये जायेगें।

इसके बाद एसएसपी ने पुलिस लाइन पर लगभग 700 पुलिस पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों को ब्रीफ किया। उन्होंने बताया कि उन्हें मतदान के दिन क्या करना है क्या नहीं करना है। इस संबंध में उन्हें विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही चुनाव संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गये।

# एक्शन मोड में रायपुर पुलिस, 258 गुंडा बदमाशों को थानों में बुलाकर लगाई परेड

■ 130 बदमाशों पर कार्रवाई

**रायपुर।** लोकसभा चुनाव को लेकर रायपुर पुलिस एक्शन मोड पर हैं। शहर में शांतिपूर्ण मतदान कराने और अपराधों की रोकथाम के लिए 258 से ज्यादा गुंडा-बदमाशों को संबंधित थानों में हाजिर कर परेड लगाई। रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में गुंडा-बदमाशों, चाकुबाजों समेत अपराधिक तत्वों को थाना में बुलाकर समझाइश दी गई है।

शहर में अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने और सुरक्षा-शांति व्यवस्था के मद्देनजर रायपुर एसएसपी की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के गुंडा-बदमाशों की क्लास लगा दी। शरह के अलग-अलग थानों से संबंधित 258 गुंडा-बदमाशों को थानों में तलब किया गया।

बदमाशों को तलब कर उनकी परेड़ ली गई। साथ ही उनको समझाया गया कि सभी अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करें। थाना प्रभारियों ने चेतावनी देते हुए कहा की जब भी उन्हें थाना की ओर से उपस्थित होने कहा जाता है, तो वे फौरन थाना पहुंच जाये।

इस दौरान 12 आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट,पांच आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट और 113 अपराधिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

# भाजपा सांसदों ने संसद में कभी आवाज नहीं उठाई, यह टिकट काटने से सिद्ध हो गया: शर्मा

**रायपुर।** लोकतंत्र का पावन पर्व चल रहा है और छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण में 7 मई को चुनाव होना है। जिस तरह से रायपुर में मौसम का पारा बढ़ रहा है, उसी तरह से चुनाव का पारा भी बढ़ रहा है। प्रदेश में 9 में से 7 सांसद की टिकट काटकर भाजपा ने सबसे पहले ही हार मान ली थी कि क्योंकि छत्तीसगढ़ के भाजपा सांसदों ने संसद में कभी आवाज नहीं उठाई, टिकट काटने से यह सिद्ध कर दिया। छत्तीसगढ़ से संसद तक नकारा थे इसलिये छत्तीसगढ़ के 9 में से 7 सांसदो का टिकट काट दिया गया। उक्त बातें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता आलोक शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय रायपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का चुनाव का प्रचार सकारात्मक मोड पर है और छत्तीसगढ़ में विधानसभा का चुनाव भी हमने सकारात्मक मोड पर लड़ा था। प्रधानमंत्री जो वायदे दिसंबर के चुनाव में किये उसमें से कितने वादे पूरे हुये है? 3100 रू. एमएसपी एकमुश्त देने की बात की नहीं दिये। कांग्रेस सरकार के ऊपर तमाम आरोप लगाये थे कोई भी वाइट पेपर या किसी भी तरह के

कार्यवाही जांच कही भी शुरू किया था और अभी तक कुछ भी नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी को छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगना चाहिये। झूठ बोलकर विकास शील छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार को षडयंत्र पूर्वक हटाने का काम किया। भाजपा की 15 साल की सरकार में नक्सलवाद बढ़ा, नक्सलवाद बढ़ते-बढ़ते एक दर्जन से ज्यादा जिलों में फैलता चला गया। वर्तमान में भाजपा के लीडर स्वंय सुरक्षित नहीं है। कई बड़े नेताओं की हत्या नक्सलवाद के चलते हुयी। 2013 में कांग्रेस के कई दिग्गज बड़े-बड़े नेताओं हमारे कुनबे का बहुत बड़ा हिस्सा नक्सलवाद से लड़ाई करते हुये भेट चढ़ा। फिर छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद नक्सलवाद और अपराध दोनो चीजे बढ़ती जा रही है। अपराध और नक्सलवाद दोनों को एक रिमोर्ट कंट्रोल सरकार कहीं न कहीं से बढ़ावा दे रही है और उसको रोक नहीं पा रही है।

कांग्रेस आरोप लगाती है कि इसकी जांच होनी चाहिये कि नक्सली घटनायें क्यों बढ़ रही है। यहां के लोगो को गृहमंत्री अमित शाह को चिट्ठी क्यों लिखनी पड़ रही है। कांग्रेस पार्टी का एक नारा है सुरक्षा भी देंगे, विश्वास भी लायेंगे और विकास भी करेंगे। भाजपा की सरकार आने के बाद आज विकास भी गायब हो गया है, विश्वास और सुरक्षा भी गायब हो गया है। छत्तीसगढ़ एक शांति प्रिय प्रदेश रहा है। उसमें दोबारा से अशांति और विद्वेष घोलने का काम जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है, जो प्रदेश के लिये सबसे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है।

## उपमुख्यमंत्री साव ने मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर किया पलटवार

**रायपुर।** उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर पलटवार किया है। रायपुर निवास में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि, खरगे का बयान हताशा को बताता है। राहुल गांधी लगातार भाग रहे हैं। अमेठी से वायनाड गए, और अब वायनाड से डरकर रायबरेली आ गए हैं।

श्री साव ने कहा कि, डरने और भगाने का काम तो राहुल गांधी कर रहे हैं। पीएम मोदी जी लगातार बनारस से लड़ रहे हैं, और बाबा काशीनाथ से उनका लगाव है, यह जगजाहिर है। साव ने कहा कि, अमेठी में स्मृति ईरानी जी ने राहुल गांधी को बुरी तरह से पटखनी दी है। इसके बाद राहुल गांधी भागकर वायनाड गए। अब उन्हें समझ में आ गया है कि, वायनाड की जनता भी उन्हें रिजेक्ट करने वाली है।

अब फिर से लौटकर रायबरेली आए हैं, रायबरेली की जनता ने तय कर लिया है। बरसों उनकी उपेक्षा हुई है, और वहां की जनता के दम पर राजनीति करते रहे हैं। और उसी जनता का ध्यान नहीं रखा। अब जनता राहुल गांधी को वापस भेजने के लिए तैयार बैठी है।

# पुरी सीट से लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संदेश

**अजय सेतिया**

ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार सुचारिता मोहंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दी है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं है, जबकि भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल के उम्मीदवार पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं, इसलिए वह उनका मुकाबला नहीं कर सकती। सुचारिता मोहंती का यह संदेश कांग्रेस के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है कि चुनाव प्रणाली पर धनाढ्य लोगों का कब्जा हो गया है और लोकतंत्र पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। सुचारिता ने भारतीय लोकतंत्र की सच्चाई को नंगा करके रख दिया है कि राजनीति अब सेवा नहीं, अमीरों का व्यवसाय बन चुकी है। चुनावों में धन का बढ़ता प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को छिन्न भिन्न कर रहा है। अब बड़े राजनीतिक दल बहुत मजबूरी में ही अपने निष्ठावान कार्यकर्ताओं को टिकट देते हैं। पिछले एक दशक में कार्यरत और रिटायर्ड नौकरशाहों का बड़े पैमाने पर राजनीति में प्रवेश हो रहा है। वे किसी भी राजनीतिक दल में प्रवेश पाते ही टिकट पा लेते हैं, और जीवन भर किए गए भ्रष्टाचार से एकत्र कमाई का इस्तेमाल करके चुनाव जीत भी जाते हैं। ज्यादातर पार्टियां एक आदमी या परिवार के नाम पर चल रही हैं। भारतीय जनता पार्टी भी सिर्फ मोदी के नाम पर चलने वाली पार्टी बनती जा रही है। कांग्रेस के सोनिया-राहुल हैं, सपा के अखिलेश यादव हैं, बसपा की मायावती हैं, आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल हैं, जदयू के नीतीश कुमार हैं, राकांपा के शरद पवार हैं, राजद के लालू हैं, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे हैं, डीएमके के स्टालिन हैं आदि आदि। इन पार्टियों के भीतर कोई लोकतंत्र नहीं है। ये सारी पार्टियां प्रोपराइटरशिप फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चल रही हैं। लाखों-करोड़ों लेकर टिकट बेचती हैं और दावा करती हैं कि पार्टी में इंटरनल डेमोक्रेसी है। क्या कारण है कि राजनीतिक दल अपने समर्पित कार्यकर्ता का टिकट काट कर या हक मार कर भ्रष्ट नौकरशाह को टिकट थमा देते हैं। सच यह है कि अपने काले धन के बूते भ्रष्ट लोग राजनीतिक दल को अपनी काली कमाई का एक हिस्सा देकर टिकट हासिल करते हैं, तो वे एक तरह से राजनीति में निवेश कर रहे होते हैं कि जीत कर अपने निवेश का कई गुना वसूल करेंगे। ऐसे नौकरशाहों को पहली बार लोकसभा में पहुंचते ही मंत्री बनते और फिर अगली बार टिकट कटते भी देखा जा रहा है। सुचारिता ने कांग्रेस पार्टी को अपना टिकट लौटाकर देश को बताया है कि राजनीति और चुनावों में काले धन के बढ़ते इस्तेमाल से देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में आम लोगों की भूमिका लगभग खत्म हो गई है। करीब दस साल पहले दक्षिण एशियाई देशों के एक सम्मेलन में इस विषय पर गहन चर्चा हुई थी। इस सम्मेलन में कहा गया था कि अगर चुनावों में धन बल का इस्तेमाल न रोका गया तो निष्पक्ष चुनाव करवाना मुश्किल हो जाएगा। एडीआर ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था कि चुनाव सुधारों के मद्देनजर राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से किए जाने वाले खर्च में अपारदर्शिता का मुद्दा बहुत चिंतनीय विषय है। लोकसभा या विधानसभा चुनावों में एक प्रत्याशी को कितना खर्च करना है, इसकी सीमा तो है, लेकिन पार्टियों के खर्च की कोई सीमा नहीं है। लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए एक उम्मीदवार अधिकतम 90 लाख और विधानसभा चुनाव के लिए अधिकतम 40 लाख खर्च कर सकता है, कुछ छोटे राज्यों के लिए यह सीमा 70 लाख और 28 लाख रूपए है। सच्चाई यह कि उमीदवार तो अपने काले धन से करोड़ों रूपए खर्च करते ही हैं, राजनीतिक दल भी अलग से करोड़ों रूपए खर्च कर देते हैं। लोकसभा चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले मार्च के शुरू में कांग्रेस पार्टी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके कहा था कि आयकर विभाग ने उसके खाते सील कर दिए हैं और उसके पास चुनाव लड़ने के लिए कोई पैसा नहीं बचा। सुचारिता मोहंती ने उसी की पुष्टि की है, जब उन्होंने टिकट लौटाते हुए अपनी चिठ्ठी में लिखा कि जब उन्होंने उड़ीसा के चुनाव प्रभारी अजय कुमार से इलेक्शन फंडिंग के लिए पूछा तो उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए उन्हें खुद ही पैसा जुटाना होगा। इससे यह भी जाहिर हुआ कि अगर मजबूरी में कोई राजनीतिक दल किसी कार्यकर्ता को टिकट दे भी देता है, तो उसके खुद के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वह चुनाव लड़ सके। उसे अपने राजनीतिक दल पर निर्भर रहना पड़ता है, सुचारिता ने यही सोचा था कि जैसे हमेशा से कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवार को चुनाव में खर्च करने के लिए सूटकेस भेजती है, वैसे उसे भी सूटकेस मिलेगा। इस घटनाक्रम ने यह भी साबित कर दिया कि राजनीतिक दल जब सत्ता में होते हैं, तो बड़े बड़े उद्योगपति और कॉरपोरेट घराने उन्हें अपने पक्ष में नीतिया बनाने और सरकारी काम के ठेके देने के बदले खूब चंदा देते हैं।

# विपक्ष के टूलकिट मुद्दे धराशायी!

**मृत्युंजय दीक्षित**

स्वतंत्रता के बाद भारत में अभी तक जितने भी लोकसभा या विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं उनमें पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व में बना गठबंधन हर दृष्टि से कमजोर नजर आ रहा है। जब से लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं ने प्रचार आरम्भ किया है तभी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी व उनके प्रवक्ता मीडिया एजेंसियों व टीवी चैनलो पर बैठकर केवल एक ही बहस कर रहे हैं कि अगर मोदी जी तीसरी बार 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो फिर भाजपा संविधान को फाड़ कर फेंक देगी, दोबारा चुनाव नहीं होंगे क्योंकि इनके पास कोई मुद्दा नहीं है मोदी जी को घेरने का। इसके अतिरिक्त मोदी जी और अमित शाह के एआई द्वारा बनाए गए डीप फेक वीडियो या फिर सम्पादित/ डॉक्टर्ड वीडियो को आधार बनाकर झूठ फैला रहे हैं।

पिछले दिनों अमित शाह के ऐसे ही एक वीडियो के साथ आरक्षण के सम्बन्ध में दुष्प्रचार किया गया हालांकि अब इस पर दिल्ली पुलिस ने कार्यवही आरम्भ कर दी है और कई लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस फर्जी वीडियो प्रकरण को को अपने पक्ष में मोड़कर मुद्दा बनाने मे कुछ हद तक सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही वे संविधान और आरक्षण के नाम पर विगत 70 साल में पिछली सरकारों ने जो किया उसे भी बेनकाब कर रहे हैं।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार आने के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आरक्षण विरोधी होने का दावा कर अभियान चलाया जा रहा है। बिहार में 2015 के विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच गबठबंधन हुआ था तब इन दलों ने पांचजन्य साप्ताहिक में प्रकाशित एक साक्षात्कार के आधार पर संघ के खिलाफ विषवमन किया था। बसपा नेत्री मायावती ने एक पुस्तिका प्रकाशित करवा के घर घर तक बंटवाई थी और बताया गया था कि संघ किस प्रकार से आरक्षण विरोधी है।

अब समय बदल चुका है यह 2024 की बदली हुई भाजपा और संघ है जो दुष्प्रचार के प्रति पूरी तरह सतर्क और सशक्त है। इस बार कांग्रेस नेताओं का यह दांव जमीनी धरातल पर नहीं उतर पा रहा है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ हमेशा संविधान सम्मत आरक्षण का पक्षधर रहा है। संघ का मानना है कि जब तक सामाजिक भेदभाव रहेगा या आरक्षण देने के कारण बने रहेंगे तब तक आरक्षण जारी रहे।संघ प्रमुख ने कहा कि उन्होंने एक वीडियो के बारे में सुना है जिसमें कहा गया है कि संघ आरक्षण के खिलाफ है। संघ आरक्षण का कभी विरोधी नहीं रहा है किंतु यह उसके खिलाफ विमर्श स्थापित किया जा रहा है क्योंकि कांग्रेस को लगता है कि संघ व भाजपा को आरक्षण व संविधान विरोधी साबित कर वह चुनावी किला फतह कर सकती है।

राहुल गांधी आजकल भाजपा को संविधान विरोधी साबित करने में दिन-रात एक किये हुए है जबकि वास्तविकता यह है कि अगर आज आम नागरिक अपने संविधान को जान रहा है, पढ़ रहा है और उसके अनुरूप आचरण करना चाह रहा है और उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास ही हैं क्योंक अब हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय संविधान को अब वेबसाइट पर आसानी से पढ़ा जा सकता है। नए संसद भवन के उद्घाटन और सेंगोल स्थापना के अवसर पर सदन के सदस्यों को भी संविधान की मूल प्रति दी

गई। कांग्रेस जो आज संविधान- संविधान का राग अलाप रही है संविधान का सत्यानाश कांग्रेस ने ही किया था। श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए संविधान में मूल भूत परिवर्तन करके उसमें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्द जोड़कर उसकी आत्मा ही नष्ट कर दी, आपातकाल लगाकर अपनी विकृत तानाशाही मानसिकता का परिचय दिया और मनमर्जी से विपक्षी दलों की प्रदेश सरकारों को गिराया। कांग्रेस के कार्यकाल में संविधान एक परिवार का बंधक हो गया था व एक धर्म विशेष का तुष्टीकरण कर रहा था।

इसी प्रकार कांग्रेस अयोध्या में प्रभु राम की जन्मभूमि और उस पर बन रहे भव्य मंदिर के प्रति भी नकारात्मक रही है। जन जन के आराध्य प्रभु राम को काल्पनिक कहने वाली कांग्रेस ने पहले तो मुद्दे को भटकाने, लटकाने, अटकाने के लिए जी जान लगा दी फिर भी असफल रहने पर अपने मुस्लिम तुष्टीकरण को मजबूती प्रदान कनने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार किया। उसके बाद राहुल गांधी व विपक्ष के नेता जनसभाओं में बयान देने लगे कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दलित आदिवासी होने के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। यह भी बयान दिए जाने लग गये कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में केवल और केवल बड़े उद्योगपति और बड़े घरानो के लोग ही उपस्थित रहे आम जनता को कोई भाव नहीं दिया गया। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या में रामलला के दर्शन करके ने राहुल गांधी के इस झूठ का करारा उत्तर दे दिया। राम मंदिर के गर्भगृह में राष्ट्रपति की उपस्थिति ने कांग्रेस नेता के आरोप को बुरी तरह से धो डाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गर्भगृह में पहुंचकर रामलला का विधिवत पूजन किया। आराध्य को निकट से देखकर राष्ट्रपति बहुत भावुक दिखीं और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव भी साझा किए।

इस बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बयान जारी कर राहुल गांधी के सभी आरोपों को मिथ्या बताया। महासचिव चंपत राय ने बताया कि राहुल गांधी को स्मरण कराना चाहूंगा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दोनों को रामलला के मूल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े हुए संत, महापुरुष गृहस्थजन और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में यश प्राप्त करने वाले भारत का गौरव बढ़ाने वाले लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। मंदिर में सेवारत श्रमिक और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राहुल गांधी अपनी जनसभाओं मे यह आरोप भी लगा रहे हैं कि वहां कोई गरीब, महिला, किसान युवा दर्शन नहीं करने गया अब यह भी झूठ हो गया है क्योंकि अब तक दो करोड़ से अधिक लोग राम मंदिर के दर्शन कर चुके हैं और इसमें समाज के सभी वर्गो की आम जनता ही शमिल है किंतु राहुल के पदचिन्हों पर चलने वाले कांग्रेस के प्रवक्ता अभी भी बाज नहीं आ रहे हैं और अयोध्या मंदिर व दर्शन कार्यक्रम को इवेंट बताकर उसका अपमान कर रहे है।

इसके अलावा कांग्रेस और विपक्ष बार-बार ईवीएम मसहीनों पर ही संदेह पैदा कर रहा है किंतु ईवीएम यह दावा अब सुप्रीम कोर्ट में भी खारिज हो चुका है। पहले दो चरणों में कम मतदान का हवाला देकर विरोधी दलों ने सोशल मीडिया पर हल्ला मचाना प्रारम्भ कर दिया कि कम मतदान का मतलब है मोदी जी हार गये, हार गये। किंतु जब चार दिन बाद चुनाव आयोग ने मतदान प्रतिशत के अंतिम आंकड़े सार्वजनिक किये तो विपक्ष एक बार फिर ईवीएम और चुनाव आयोग पर संदेह करने लग गया। विपक्षी दलों के नेता सोशल मीडिया पर आकर ईवीएम-ईवीएम करने लगे और कहा कि चुनाव आयेग ने खेल कर दिया- खेल कर दिया।

इसी राजनैतिक गहमा गहमी के बीच एस्ट्राजेनेका आक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन कोविडशील्ड को लेकर विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को खराब करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया । इस आभासी मुद्दे को टूलकिट के नए टूल के रूप में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो पर उठाया जा रहा है। कोविडशील्ड के प्रकरण में जनहित याचिका दायर करने वाले दलाल भी सक्रिय हो गये हैं और सुप्रीम कोर्ट पहुंच गये हैं जबकि वास्तविकत यह है कि कोविडशील्ड से नुकसान बहुत ही कम हुआ है जबकि लाभ अधिक हुआ है। कोविडशील्ड को लेकर उठ रहे सभी विवाद पूरी तरह से भ्रामक खबरो पर आधारित हैं। विशेषज्ञों का मत है कि हर वैक्सीन के साइड इफैक्ट होते ही हैं। वह वैक्सीन लगाने के 21 दिन या एक महीने के भीतर ही हो सकता था। कोविड काल में दो वर्ष पूर्व लगे इस वैक्सीन से कोई नुकसान नहीं अपितु लाभ ही हुआ है।

अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लातूर की जनसभा में कहा कि 2014 के पहले एक समय था जब खबर आती थी कि, सड़क पर पड़ी कोई भी लावारिस वस्तु को आप लोग न छुएं यह बम हो सकता है किंतु अब एक ऐसी खबरें आनी बंद हो गयी है ठीक उसके अगले ही दिन सुबह -सुबह दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी आती है और विरोधी दल आनंदमग्न होकर उस पर अपनी विकृत राजनीति प्रारम्भ कर देते हैं किंतु बाद में वह फर्जी अफवाह निकलती है हालांकि प्रकरण की अभी जांच चल रही है और हो सकता है कि यह विपक्ष की ही करतूत रही हो। कुछ ऐसी ही विकृत राजनीति कर्नाटक के एक सैक्स स्कैंडल को लेकर देखने को मिल रही है विरोधी दल उसमें भी भाजपा की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे थे। कर्नाटक का सैक्स स्कैंडल कांग्रेस के शासनकाल में ही हुआ है। इसमें यह भी महत्वपूर्ण है कि कर्नाटक में कांग्रेस के अपने ही नेता की बेटी के साथ लव जिहाद की बर्बर घटना होने जाने के बाद कांग्रेस तुष्टीकरण के कारन मौन रही और जब भाजपा ने इसका विरोध किया, परिवार के साथ आगे बढ़ी तो सेक्स स्कैंडल को लेकर हल्ला मचा दिया गया।

आज की भाजपा अब 2014 के पहले वाली भाजपा नहीं रही कि उसे झूठे नैरेटिव चलाकर डराया, धमकाया या हराया जा सकता है। अब भजपा नेता हर बात के लिए सतर्क रहते हैं। गुजरात के एक सांसद रूपाला के बयान के बाद नैरेटिव चलाया गया कि राजपूत और क्षत्रिय भाजपा से नाराज हो गये हैं किंतु गुजरात में मोदी व भाजपा नेताओं की जनसभाओं में जैसी भीड़ आ रही है उससे लग रहा है कि राजपूत व क्षत्रियों की भाजपा से नाराजगी का नैरेटिव भी छिन्न भिन्न हो चुका है।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-13)

**गतांक से आगे...**

हे ब्रह्मन् ! ऐसा न करने से इस खेचरी की सिद्धि नहीं होती, उल्टे कष्ट ही उठाना पड़ता है। सम्यक् प्रकार से अभ्यास के बाद भी यदि सिद्धि न मिले, तो भी मार्गदर्शक के द्वारा निर्देशित मार्ग का त्याग न करे। निरंतर इसका जप करना चाहिए, बिना उपयुक्त मार्गदर्शक के सिद्धि सम्भव नहीं।

यदि यह शास्त्र प्राप्त हो जाये, तो इस विद्या का अभ्यास करे। इस प्रकार भली प्रकार से साधना करने पर साधक को सिद्धि शीघ्र प्राप्त हो जाती है। सबसे पहले साधक गुरु के निर्देशानुसार तालु के मूल स्थान को सात दिनों तक घिसे, जिससे उसका मैल दूर हो जाये।

इसके बाद थूहर के पत्ते की तरह तीक्ष्णधारयुक्त किसी पवित्र औजार से जिह्वा मूल (नीचे के जबड़े से जीभ को जोड़ने वाले तन्तु) को बाल के बराबर गुरु से कटाये या स्वयं काटे।

हरड़ और सेंधा नमक का चूर्ण कटे हुए स्थान पर सात दिन तक बुरकता रहे, इसके बाद पुन: उसी प्रकारे बौल मात्र (तनिक सा) काटे। इस तरह लगातार छ: महीने प्रयास करने से जीभ का (निचले जबड़े से) सम्बन्ध कट जाता है।

तब जिह्वा के आगे वाले हिस्से में वस्त्र लपेटकर धीरे-धीरे बाहर की ओर को दोहन करना चाहिए। इस तरह नियमित रूप से अभ्यास करने पर जिह्वा बढ़कर बाहर भृकुटियों के बीच तक पहुँच जायेगी तथा और ज्यादा अभ्यास होने पर दोनों बगल, कान तक पहुँचने लगेगी। बाहर निकलने पर ठोड़ी तक पहुँच जायेगी। इस अभ्यास को यदि बराबर तीन वर्ष तक बनाये रखा जाये, तो जिह्वा सिर के बालों तक पहुँचने लगेगी। इस प्रकार अभ्यास करते रहा जाए, तो जीभ बगल में कन्धे तक एवं नीचे कण्ठकूप तक पहुँच जाती है।

**क्रमश: ...**

# विश्व हाथ स्वच्छता दिवस

**अनिशा भाटिया**

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 5 मई को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। डब्ल्यूएचओ ने 2009 में सेव लाइव्स: क्लीन योर हैंड्स नाम से इस ग्लोबल कैंपेन की शुरुआत की, जो आगे चलकर विश्व हाथ स्वच्छता दिवस के रूप में एक सालाना उत्सव बन गया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सही समय पर हाथ धोने से हर साल लाखों लोगों की जान बचती है। साथ ही हाथों को साफ-सुथरा रखने के उपाय काफी सस्ते हैं और ये सुरक्षित एवं प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल की आधारशिला हैं। साथ ही बताया गया है कि साबुन या अल्कोहल-आधारित हैंड रब से हाथों को अच्छी तरह से साफ करने से निमोनिया और दस्त सहित कई तरह की बीमारियों को रोकने में

मदद मिलती है। निमोनिया और दस्त को विश्व स्तर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बेहद ही खतरनाक माना जाता है। डब्ल्यूएचओ ने इसे एक ऐसे स्मार्ट निवेश के रूप में टैग किया है, जो खर्च की गई पाई-पाई की कीमत बढ़-चढ़कर अदा करता है।

**हाथों की स्वच्छता क्यों महत्वपूर्ण है, इसके 5 कारण-**

1. सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, साबुन और पानी से हाथ धोने से डायरिया की बीमारी से होने वाली मौतों में 50 फीसदी तक की कमी आ सकती है। 2. सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन यह भी बताता है कि अगर हर कोई नियमित रूप से अपने हाथ धोए, तो एक साल में 10 लाख मौतों को रोका जा सकता है। 3. सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार हाथ धोने से लोगों में सर्दी-जुकाम जैसी सांस की बीमारियों के जोखिम को 16-21% तक कम किया जा सकता है। 4. यूनिसेफ के अनुसार वैश्विक स्तर पर तीन अरब लोगों के घरों में पानी और साबुन से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। 5. यूनिसेफ का कहना है कि दुनिया भर के लगभग आधे स्कूलों में पानी और साबुन से हाथ धोने की सुविधा नहीं है, जिससे लगभग 818 मिलियन स्कूली उम्र के बच्चे प्रभावित होते हैं।

भारत की बात करें, तो राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वेक्षण 4 (2015-16) में साझा किए गए अंतिम आंकड़ों के मुताबिक धनी परिवारों में लगभग सभी घरों में (97% तक) वॉश बेसिन होते हैं, लेकिन शहरी क्षेत्रों में केवल अमीर और अधिक शिक्षित घर हाथ धोने के लिए साबुन का उपयोग करते हैं और अमीर वर्ग में जहां 10 में से 9 परिवार साबुन से हाथ धोते हैं, वहीं 10 में से केवल 2 गरीब परिवार ही हाथ धोने के लिए साबुन का उपयोग करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि यदि प्रगति की वर्तमान दर जारी रहती है, तो 2030 तक दुनिया बुनियादी स्वच्छता सेवाओं के केवल 78 प्रतिशत कवरेज तक पहुंच पाएगी और इस दौरान 1।9 अरब लोगों के पास घर पर हाथ धोने की सुविधा नहीं होगी।

# भारत एवं कनाडा के रिश्ते खतरनाक मोड़ पर

**ललित गर्ग**

कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मौजूदगी में खालसा दिवस समारोह के दौरान खालिस्तान समर्थक नारे लगाए जाने के बाद भारत सरकार जो सख्ती दिखाई है, वह आवश्यक एवं समयोचित कदम है। इस घटना पर भारत का चिंतित होना एवं कनाडा को चेताया जाना स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय में कनाडा के उप-उच्चायुक्त को तलब कर इस मामले में गहरी आपत्ति जताई गई है। कनाडा सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिये अनेक बार भारत विरोधी घटनाओं में संदेहास्पद एवं विवादास्पद भूमिका का निर्वाह करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की मर्यादाओं को धुंधलाया है। कनाडा की धरती से खालिस्तानी समर्थक अलगाववाद, कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता रहा है। इस तरह की घटनाओं से कनाडा में अपराध का माहौल बना हुआ है। इससे कनाडा के नागरिकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। जिससे भारत में भी स्थितियां संकटपूर्ण बनी है। पिछले साल खुद ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से निज्जर हत्याकांड में भारत के शामिल होने का निराधार आरोप लगाया था। भारत के मांगने के बाद भी आज तक उनकी सरकार इस आरोप के पक्ष में कोई सबूत नहीं दे पाई है। जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाकर दोनों देशों के बीच विवाद खड़ा कर दिया था। भारत ने आरोप को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद से कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आ गई और दोनों देशों के रिश्ते सुधरने की बजाय खतरनाक मोड़ पर पहुंच गये हैं।

खालसा दिवस समारोह में न केवल खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए बल्कि ऐसे बैनर प्रदर्शित

किए गए, जिनमें भारत-विरोध के त्रासद एवं राष्ट्र-विरोध के भ्रामक, झूठे एवं बेबुनियाद आरोप थे। अफसोस और चिंता की बात यह रही कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने तो इन सब भारत-विरोधी घटनाओं को रोकने की या इन्हें गलत बताने की कोई कोशिश की। इस पूरे मामले में ट्रूडो का व्यवहार आपत्तिजनक बना, दो देशों के बीच खटास घोलने वाला एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का रहा। जिसे दोनों देशों के राजनयिक पैमाने पर उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह कनाडा अपने देश की राजनीतिक जरूरतों के चलते भारत के साथ अपने रिश्ते इस मोड़ पर ले आया हैं, जहां उनके बीच विश्वास, भरोसे, आपसी सहयोग और संवाद की कमी है, तो यह अकारण नहीं है।

भले ही लगभग आठ लाख कनाडाई सिखों की वहां की राजनीति में सक्रिय भागीदार हैं। सिख समुदाय की जरूरतों एवं उनके शांतिपूर्ण जीवन के लिये कनाडा सरकार की प्रतिबद्धता में कोई आपत्ति नहीं हैं। सिख समुदाय के मौलिक अधिकारों व स्वतंत्रता की रक्षा करने के वायदे यदि वहां की सरकार करती है तो अच्छी बात है। भले ही कनाडा सरकार सिखों के सामुदायिक केंद्रों, गुरुद्वारा समेत पूजास्थलों की सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ भारत एवं कनाडा के बीच उड़ानें और रूट बढ़ाने को लेकर भारत के साथ नए समझौते करें, लेकिन इन स्थितियों के बीच खालिस्तानी अलगाववाद को प्रोत्साहन देना भारत के लिये असहनीय है। भारत बार-बार इस बात को दोहरा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर इस तरह अलगाववादी और अतिवादी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना न केवल दोनों देशों के रिश्तों के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक है। भारत जिस तरह से लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद को झेला है, कनाडा में इन तत्वों को प्रोत्साहन देकर कनाडा आतंकवादी गतिविधियों का केन्द्र बन सकता है, जो उसके लिए नुकसानदेह ही साबित होने वाला है।

निश्चित ही कनाडा में खालिस्तानी आतंकी फल-फूल रहे हैं। खालिस्तानी न केवल भारतीय राजनयिकों को धमका रहे हैं बल्कि हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। कनाडा की धरती पर हर किस्म के खालिस्तानी चरमपंथी ही नहीं पल रहे हैं बल्कि वहां भारत से भागे गैंगस्टर और नशे के तस्कर भी शरण पा रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद में भारत ने कनाडा को जो खरी-खोटी सुनाई, वह इसलिए आवश्यक थी, क्योंकि वहां की ट्रूडो सरकार अपने भारत विरोधी रवैये से बाज नहीं आ रही है। वह जिस तरह खालिस्तानी अतिवादियों को संरक्षण दे रही है, उसकी मिसाल यदि कहीं और मिलती है तो वह पाकिस्तान में। कनाडा अपने भारत विरोधी रवैये के कारण पाकिस्तान सरीखा बनता जा रहा है। कनाडा अपने हितैषी एवं पडोसी देशों से दूरियां बना रहा है। खालिस्तान समर्थन एवं प्रोत्साहन के चलते कनाडा में फिलहाल कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। अपने देश के साथ दुनियाभर में वह आलोचकों के निशाने पर हैं। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों पर नियंत्रण रखने में कथित नाकामी के चलते ट्रूडो को अनेक अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसी के चलते जी-20 बैठक में उन्हें भारत और सदस्य देशों का 'ठंडा' रिस्पांस मिला। भारत में खास अहमियत नहीं मिलने से खिसियाए ट्रूडो को कनाडा के मीडिया ने भी आड़े हाथ लिया है।

ट्रूडो सरकार पर भारत के साथ रिश्तों को नुकसान पहुंचाने और व्यापार वार्ता के बारे में अंधेरे में रखने के आरोप भी लगे हैं। घरेलू राजनीतिक हितों के लिए ट्रूडो भारत के साथ लड़ाई मोल लेकर अपने देश का भारी आर्थिक नुकसान कर रहे हैं। यह सर्वविदित है कि भारत अब दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। कनाडाई में उत्पादित वस्तुओं के निर्यात और व्यापार में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है और दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का असर यहां की इकोनॉमी पर पड़ रहा है। भारत की नाराजगी बेवजह नहीं है, क्योंकि कनाडा भारत के विरोध में लगातार सक्रिय हैं, कनाडा ने ही किसानों के आंदोलन के समर्थन में अतिश्योक्तिपूर्ण सहयोग होने दिया। जबकि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए एक-दूसरे के प्रति सम्मान का भाव और आपसी भरोसा रहना जरूरी है। खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को लेकर अमेरिका में भी सवाल उठे थे। लेकिन अमेरिका ने इस मसले पर सार्वजनिक बयानबाजी करने के बजाय भारत सरकार से सीधी बातचीत की। भारत ने भी अमेरिकी सरकार की ओर से मुहैया कराए गए सबूतों को गंभीरता से लिया।

## आज का इतिहास

1835 ब्रायुलियो कैरिलो को कोस्टा रिका राज्य के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाई गई।
1847 वास्तुकला एसोसिएशन स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर की स्थापना लंदन में की गई।
1860 इतालवी जनरल ग्यूसेप गैरीबाल्डी के नेतृत्व में, हजार के स्वैच्छिक अभियान ने जेनोआ से दो सिसिली के साम्राज्य को जीतने के अभियान पर रवाना किया।
1864 वर्जीनिया में अमेरिकी नागरिक युद्ध-संघ के लेफ्टिनेंट जनरल उलीसेस एस। ग्रांट के ओवरलैंड अभियान की शुरुआत स्पोट्सेल्टन काउंटी में जंगल की लड़ाई से हुई।
1891 न्यूयॉर्क सिटी के कार्नेगी हॉल (आंतरिक चित्र), बाईफिलंथ्रोपिस्ट एंड्रयू कार्नेगी द्वारा निर्मित, आधिकारिक तौर पर रूसी संगीतकार प्योत्र इलिच त्चिकोवस्की द्वारा संगीत कार्यक्रम के साथ खोला गया।
1902 राष्ट्रमंडल लोक सेवा अधिनियम ऑस्ट्रेलिया की सार्वजनिक सेवा बना।
1904 बोस्टन अमेरिकियों के पिचर साइ यंग ने पेशेवर बेसबॉल के आधुनिक युग में पहला खेल फेंक दिया।
1912 बोल्शेविक अखबार प्रवीडा को पहली बार रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में प्रकाशित किया गया था।
1925 अफ्रीकी 5 मई, 1925 को दक्षिण अफ्रीका में आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित किया गया था। 1910 से 1925 तक पिछले वर्षों के दौरान डच और अंग्रेजी दक्षिण अफ्रीका की पहली आधिकारिक भाषा थी।
1932 जापान और चीन ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1932 28 जनवरी की घटना या पहली शंघाई घटना 1932 में चीन गणराज्य और जापान के साम्राज्य के बीच संघर्ष था, जिसे 5 मई को दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए शंघाई युद्धविराम समझौते से रोक दिया गया था।
1936 इटली के सैनिकों ने अदीस अबाबा पर कब्जा किया।
1936 द्वितीय इटालो-एबिसिनियन युद्ध-इतालवी सैनिकों ने अदीसबाबा, इथियोपिया को निर्विरोध कब्जा कर लिया।

# मोदी ने पहले राहुल को प्रोजेक्ट किया, अब उन्हीं पर हमलावर

**अजय सेतिया**

इंडी एलायंस में किसी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने पर सहमति नहीं हुई थी। स्टालिन के जन्मदिन पर चैन्नई में हुई पार्टी में फारूख अब्दुल्ला ने प्रस्ताव जरुर रखा था, लेकिन वह तो एक तरह से यूपीए के घटक दलों का अनौपचारिक मिलन था। इंडी एलायंस की मीटिंग में यह मुद्दा उठा जरूर था, लेकिन जब मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम रखा गया, तब वह खुद ही पीछे हट गए थे। राहुल गांधी का नाम किसी ने नहीं लिया था, बल्कि मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम का प्रस्ताव रखने वाली ममता बनर्जी ने ही बाद में कांग्रेस और वामपंथी दलों से सीट शेयरिंग से इंकार कर दिया। कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी को इंडी एलायंस का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना दिया है। मोदी का कोई भाषण राहुल गांधी का जिक्र किए बिना खत्म नहीं होता। वह उतनी बार कांग्रेस का नाम भी नहीं लेते, जितनी बार राहुल गांधी का जिक्र करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से पूछो तो वे कहते हैं कि राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता, क्योंकि उनमें कोई गंभीरता नहीं है। तो फिर नरेंद्र मोदी उन्हें क्यों गंभीरता से लेते हैं। इसका कारण यह है कि मोदी पर जितने जोरदार ढंग से राहुल गांधी हमला करते हैं, उतने जोरदार ढंग से और कोई नहीं करता। मोदी को अंदाजा नहीं था कि राहुल गांधी का जाति आधारित जनगणना का एजेंडा चुनावों में आरक्षण पर सवाल का मुद्दा बन जाएगा। राहुल गांधी और इंडी एलायंस के सभी नेताओं ने मोदी पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने के ऐसे आरोप लगाए कि उस का असर वोटिंग पर दिखाई देने लगा। भारतीय जनता पार्टी ने दशकों की कड़ी मेहनत के बाद दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को अपने साथ जोड़ा है। हिन्दू एकजुट होकर भाजपा के पीछे खड़ा हुआ, तब जा कर भाजपा को 2014 में स्पष्ट बहुमत मिला। जब तक हिन्दुओं के ये तीनों वर्ग भाजपा के साथ हैं, उसे कोई नहीं हरा सकता।

जब तमिलनाडु के नेताओं ने सनातन धर्म के खिलाफ मोर्चा खोला था, तब द्रमुक के एक नेता ने कहा था कि सनातन धर्म की मुखालफत इंडी एलायंस का एजेंडा है। एक उद्धव ठाकरे के अलावा इंडी एलायंस के किसी नेता ने इसका खंडन नहीं किया था। कांग्रेस ने यह कह कर पल्ला झाड़ लिया था कि सबकी अपनी अपनी राय हो सकती है, कांग्रेस का उनसे सहमत होना जरूरी नहीं। जबकि इंडी एलायंस की तीसरी मुम्बई में हुई बैठक में बाकायदा यह चर्चा हुई थी कि अगर भाजपा के हिन्दू वोट बैंक को तोड़ना है, तो सनातन समर्थकों में विभाजन डालना होगा। दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को सनातन धर्म से तोड़ना होगा, तभी वे भाजपा से टूटेंगे। इसी मुम्बई अधिवेशन में राहुल गांधी, लालू यादव और नीतीश कुमार ने इसीलिए जाति आधारित जनगणना को इंडी एलायंस का एजेंडा बनाने का प्रस्ताव रखा था। ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे और अरविन्द केजरीवाल के विरोध के कारण प्रस्ताव पास नहीं हुआ था। ये तीनों ही अपर कास्ट से आते हैं। लेकिन कुछ दिनों बाद दिल्ली में शरद पवार के घर पर हुई बैठक में

जाति आधारित जनगणना इंडी एलायंस का मुख्य एजेंडा बन गया था।

राहुल गांधी तब से इसी दिशा में काम कर रहे थे। उनके भाषणों का बारीकी से अध्ययन करने पर पता चलता है कि वह लगातार दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के आरक्षण और संविधान और लोकतंत्र के खतरे में होने का जिक्र कर रहे थे। इसका असर वोटिंग पर होगा, ऐसा अनुमान मोदी या भाजपा के किसी नेता को नहीं था, इसलिए कोई उनकी बातों का जवाब भी नहीं दे रहा था। लेकिन जब अमित शाह का फेक वीडियो सामने आया है, तब मोदी को समझ में आया कि अब खुल कर खेलना होगा। इससे पहले मोदी ने कभी हिन्दू मुस्लिम नहीं किया था, हिन्दू मुसलमान की शुरुआत उन्होंने 21 अप्रेल को अपने भाषण से की। और अब जब पाकिस्तान के नेताओं के भी राहुल के पक्ष के पक्ष में बयान आने शुरू हो गए, तो मोदी संविधान और आरक्षण के मुद्दे पर डिफेंसिव की बजाए ओफेंसिव हो गए हैं।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाज चौधरी का एक बयान सामने आया है, जिसमें वह राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की वकालत करते दिखाई देते हैं। फवाज चौधरी ने राहुल गांधी का वीडियो अपने एक्स हेंडिल से शेयर किया है। यह मणि शंकर अय्यर की कोशिशों का नतीजा लगता है, जिन्होंने पाकिस्तान में जाकर मोदी को हटाने के लिए पाकिस्तान से मदद माँगी थी। भारतीय जनता पार्टी के नेता और संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस की आतंकवाद के प्रति सॉफ्ट नीति के कारण पाकिस्तान कांग्रेस का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और चीन दोनों ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं। पाकिस्तान मोदी से इसलिए डरता है, क्योंकि मनमोहन सरकार तो मुम्बई पर हुए हमले के बाद सिर्फ डोजियर भेजती थी, जबकि मोदी ने घर में घुसकर मारने की पॉलिसी अपना ली है।

भारत के किसी नेता ने पाकिस्तान के चुनाव में कभी दखल नहीं दिया। भारत के चुनाव में पाकिस्तान का दखल कितना खतरनाक है, इसे समझने की जरूरत है। इसलिए नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री के राहुल गांधी के पक्ष में आने का अपने भाषणों में जिक्र करना शुरू कर दिया है। जिन नरेंद्र मोदी ने खुद ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था, उनको अब जाकर समझ आने लगा है कि राहुल एक बड़ी चुनौती बन कर खड़े हो गए हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोल दिया है। राहुल गांधी के संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने के जवाब में मोदी ने उन पर पलट वार कर के उन्हीं को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मोदी ने राहुल गांधी से ऐसे तीन सवाल कर के उन्हें दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के कटघरे में खड़ा कर दिया है।

मोदी को पहले दो चरण की वोटिंग में नुकसान होने की बात समझ आ गई, और वह डेमेज कंट्रोल में लग गए हैं। दो मई को मोदी ने गुजरात में राहुल गांधी पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि वह संविधान को सिर पर रख कर नाच रहे हैं। जबकि मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए कांग्रेस खुद संविधान बदलना चाहती है, क्योंकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का प्रावाधान नहीं है। राहुल गांधी पिछले कई दिनों से कह रहे थे कि मोदी दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। मोदी ने राहुल पर पलटवार करते हुए कहा कि असल में वह दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का कोटा घटा कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं, कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस ने यह कर भी दिया है। मोदी ने राहुल गांधी से कहा है कि वह देश को गारंटी दें कि वह दलितों, आदिवासियों और ओबीसी के आरक्षण का कोटा नहीं घटाएंगे । वह गारंटी दें कि मुसलमानों को ओबीसी के आरक्षण कोटे से आरक्षण नहीं देंगे। वह देश को लिखित में गारंटी दें कि वह मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान संशोधन नहीं करेंगे।

# राहुल के चुनाव मैदान में उतरने से रायबरेली सीट सुर्खियों में

कांग्रेस द्वारा उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट पर अचानक राहुल गांधी को उम्मीदवार बनाये जाने से सुर्खियों में रहने वाला यह निर्वाचन क्षेत्र एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। रायबरेली सीट को 'वीवीआईपी' सीट भी कहा जाता है, जहां से पहले दो आम चुनाव में राहुल के दादा फिरोज गांधी विजयी हुए थे। रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र में फिरोज गांधी द्वारा रखी गयी मजबूत नींव को उनकी पत्नी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और मजबूती प्रदान की तथा 1967, 1971 और 1980 के चुनाव में इस सीट पर जीत हासिल की। इंदिरा गांधी ने 1980 में दो सीट से चुनाव लड़ा, जिनमें रायबरेली और मेडक (तेलंगाना) लोकसभा सीट शामिल हैं हालांकि उन्होंने बाद में मेडक सीट अपने पास रखने का फैसला किया। उसके बाद अरुण नेहरू ने 1980 के उपचुनाव और 1984 के आम चुनाव में रायबरेली पर कांग्रेस का परचम लहराये रखा। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के करीबी माने जाने वाले अरुण नेहरू से लेकर शीला कौल तक रायबरेली सीट गांधी परिवार के सदस्यों और उनके करीबियों के पास ही रही। फिरोज गांधी के निधन के बाद 1960 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के आर.पी. सिंह ने रायबरेली सीट पर जीत हासिल की थी वहीं 1962 के चुनाव में कांग्रेस नेता बैजनाथ कुरील ने इस सीट पर कब्जा जमाया था। इंदिरा गांधी की रिश्तेदार शीला कौल ने 1989 और 1991 में रायबरेली का प्रतिनिधित्व संसद में किया था। गांधी परिवार के एक अन्य मित्र सतीश शर्मा ने 1999 में रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और उसके बाद सोनिया गांधी का राजनीति में प्रवेश हुआ। वर्ष 1977 में आपातकाल के बाद जनता पार्टी के राज नारायण ने इंदिरा गांधी को हराया था, जो उस समय प्रधानमंत्री थीं। वहीं 1996 और 1998 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अशोक सिंह ने कांग्रेस के उम्मीदवारों को शिकस्त दी थी। सोनिया गांधी ने चुनावी राजनीति में प्रवेश करने के लिए 1999 में अमेठी सीट चुनी थी, लेकिन 2004 में उन्होंने अमेठी सीट राहुल के लिए छोड़ दी। सोनिया गांधी ने 2004 से 2019 तक चार बार रायबरेली सीट पर जीत हासिल की हालांकि उनकी जीत का अंतर कम होने लगा था। राहुल को अमेठी के बदले रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारने के पीछे पार्टी का आकलन है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के लिए रायबरेली, अमेठी से बेहतर और सुरक्षित सीट है। उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी में भाजपा की स्मृति ईरानी से लगभग 50 हजार मतों से हार का सामना करना पड़ा था। अमेठी में स्मृति ईरानी के लिए मुकाबला आसान हो जाने को लेकर कांग्रेस की हो रही आलोचना के बीच सूत्रों ने बताया कि पार्टी का मानना है कि गांधी परिवार के लिए रायबरेली का ऐतिहासिक, भावनात्मक और चुनावी महत्व अमेठी से कही अधिक है। सोनिया गांधी ने रायबरेली के लोगों को दिये अपने विदाई संदेश में विश्वास जताया था कि यह सीट हमेशा उनके व गांधी परिवार के साथ रही है और यहां की जनता भविष्य में भी उनके परिवार को समर्थन देती रहेगी।

# 7 राज्यों में 25 रैलियां, योगी का धुंआधार प्रचार

**मृत्युंजय दीक्षित**

लोकसभा चुनाव के दो चरण का मतदान पूरा हो चुका है और उनकी रिपोर्ट के आधार पर सभी राजनैतिक दलों ने अगले चरण के मतदान के लिए अपनी सारी ताकत झोंक दी है। वर्तमान राजनैतिक परिदृष्य में सभी दलों के स्टार प्रचारक अपनी विचारधारा के प्रचार में जुटे हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक स्टार प्रचारक भारतीय जनता पार्टी के पास हैं जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं, अबकी बार 400 पार के नारे के साथ संपूर्ण भारत में आक्रामक प्रचार में जुटे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बाद जो स्टार प्रचारक सबसे अधिक चर्चा में है वह हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल उत्तर प्रदेश में ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं अपितु दूसरे राज्यों में भी उसी तरह प्रचार कर रहे हैं। अब तक 24 दिनों में वो सात राज्यो में 25 रैलियां व दो रोड शो कर चुके हैं। योगी जी की मांग सबसे अधिक उन सीटों व क्षेत्रों में है जहां राजपूत व क्षत्रिय मतदाता अधिक हैं तथा जहां ध्रुवीकरण की संभावना अधिक है वह उन स्थानों पर भी रैलियां कर रहे हे जो हिंसा से प्रभावित रहे हैं। दूसरे राज्यों में योगी जी की लोकप्रियता बुलडोजर बाबा के रूप में भी हो रही है।

योगी जी अब तक पश्चिम बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ जम्मू-कश्मीर और बिहार में रैलियां कर चुके हैं। बंगाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार रैलियां की हैं जो मुस्लिम बहुल और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों में हुई है। योगी जी ने आसनसोल ल में भी रैली की जहां भाजपा दो बार जीत चुकी है। बंगाल एक ऐसा राज्य है जहां के कटटरपंथी मौलाना मुख्मयंत्री योगी जी को देख लेने की धमकी तक दे चुके हैं किंतु वह बंगाल जाकर और अधिक आक्रामक होकर हिंदुत्व का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। वह अपनी जनसभा में बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की याद दिलाते हुए कहते है कि अगर कोई यूपी में रामनवमी के अवसर पर दंगा करता है तो उसे उल्टा लटकाकर ठीक कर दिया जाता है। उन्होंने बंगाल में योगी जी ने साफ सन्देश दिया कि मोदी जी की तीसरी बार सरकार आने पर रामनवमी और वैशाखी के दंगाइयों और सन्देशखाली के जिम्मेदार गुंडो को सजा दिलाने का काम करेंगे।

छत्तीसगढ़ में योगी जी ने तीन रैलियां की हैं जिसमें दो सीटें कांग्रेस व एक भाजपा की रही है। नक्सलवाद

प्रभावित क्षेत्र में योगी जी का 21 बुलडोजर से बेहद भव्य स्वागत किया गया था जो बहुत चर्चित रहा था। यहां पर उन्होंने लव जिहाद व नक्सलवाद के साथ कांग्रेस के आंतरिक समझौते का मुद्दा मुखरता के साथ उठाया।

मुख्यमंत्री योगी ने उत्तराखंड की 5 लोकसभा सीटों के लिए 4 रैलियां की और उसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हो या उत्तराखंड या देश को कोई भी कोना जो कानून नहीं मानेगा उसका राम नाम सत्य ही होगा। कुछ लोगों को लगता था कि अपराध करेंगे तो जेल चले जाएंगे लेकिन जेल जाने से पहले ही हम जहन्नुम में पहुंचा देते हैं। राजस्थान में भी उन्होंने चार रैलियां व 2 रोड शो किये जिनमें भारी भीड़ आयी। राजस्थान में उन्होंने देश की सुरक्षा का मुददा जोर शोर से उठाया और कहा कि कांग्रेस देश की सुरक्षा व आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। योगी का कहना है कि आज देश में कहीं पर पटाखा भी फटता है तो सबसे पहले पाकिस्तान सफाई देता है कि हमारा उसमें कोई हाथ नहीं है क्योंकि उसे पता है कि उसका क्या परिणाम होगा क्योकि यह बदला हुआ भारत है। राजस्थान में योगी ने राजपूत ,जाट व मीणा समाज के बाहुल्य क्षेत्रों तथा जहां पर हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण भी आसानी से हो जाता है वहां पर रैलियां कर समां बांधा है। इसी प्रकार महाराष्ट्र में भी वह 6 रैलियां कर चुके हैं। अभी तक बिहार में केवल दो रैलियां ही हो पाई है किंतु वहां पर अभी उनकी और रैलियां प्रस्तावित हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 400 पार के नारे के साथ अबकी बार यूपी में 80 की 80 सीटों पर कमल खिलाने के संकल्पवान हैं और वह इसके लिए काफी कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं अब उस मेहनत का उन्हें कितना प्रतिफल मिलता है यह तो 4 जून 2024 की मतगणना के दिन ही तय हो सकेगा। यूपी में भी योगी 75 से अधिक रैलियां व रोड षो कर चुके है।

उत्तर प्रदेश की रैलियों में योगी जी आक्रामकता के साथ सपा, बसपा व कांग्रेस पर हमलावर हो रहे है। वह कांग्रेस को उसके घोषणापत्र के छिपे हुए हिंदू विरोधी एजेंडे के आधार पर बेनकाब कर रहे हैं। योगी जी स्पष्ट रूप से हमला करते हुए कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस व इंडी गठबंधन के लोग सत्ता में वापस आये तो यह लोग देश में शरिया लागू कर देंगे और हमारे गोवंश को कसाइयो के हाथों में दे देंगे। योगी जी अपनी हर जनसभा में जनता को याद दिला रहे हैं कि कांग्रेस के कारण ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण लटका रहा। कांग्रेस ने ही भगवान राम को कोर्ट में काल्पनिक बताया था। संपत्ति के विभाजन, मंगल सूत्र और विरासत टैक्स का मुद्दा भी वे अपनी रैलियों में उठा रहे हैं। योगी जी बेटियों की सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर कोई समझौता नहीं करने वाले हैं और वह बार-बार कहते हैं कि अगर कोई बहिन-बेटियो की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करेगा तो उसका राम नाम सत्य ही होगा। योगी जी कह रहे हैं कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का काम हो गया अब मथुरा की गलियां भी श्रीकृष्ण की बांसुरी सुनने के लिए बैचेन हो रही हैं। अब वह काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। योगी जी का कहना है कि कांग्रेस पहले तो केवल दिशाहीन थी किंतु अब तो नेतृत्वविहीन भी हो चुकी है। योगी जी कहते हैं कि कांग्रेस को वोट देने से कोई बड़ा पाप नहीं हो सकता।

दूसरे राज्यों में जाने पर योगी जी का भव्य स्वागत किया जाता है। इसमें कोई दो राय नही कि उत्तर प्रदेश में अयोध्या में दिव्य, भव्य एवं नव्य राम मंदिर बन जाने के बाद उनकी लोकपियता में भारी वृद्धि हुई है तथा उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन का व्यापक विस्तार व विकास हो रहा है। अभी लखनऊ में आयोजित आईपीएल टूर्नामेट के मुकाबले के लिए पधारे क्रिकेट खिलाड़ी पीटरसन से लखनऊ एयरपोर्ट की तारीफ करते हुए योगी जी की प्रशंसा की और उसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि उत्तर प्रदेश में अविश्वसनीय विकास व अच्छा काम हो रहा है। योगी जी के नेतृत्व में कानून का राज है, अपराधियों का मनोबल गिरा हुआ है और विकास के लिए निवेश का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। भगवा वस्त्र, वाणी में ओज, ह्रदय में सनातन, आचरण में संत योगी जी इस चुनाव में हिंदुत्व का प्रमुख स्वर हैं।

# जब चंद्रशेखर के खिलाफ नारा लगा था, भिंडरवाला वापस जाओ

**उमेश चतुर्वेदी**

इंदिरा गांधी की हत्या के बाद की शोक अवधि बीतते ही चुनाव आयोग ने सातवीं लोकसभा के चुनावों का ऐलान कर दिया था...चुनाव घोषणा की वह तारीख थी, तेरह नवंबर 1984...इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुई देशव्यापी सिख विरोधी हिंसा की आंच भले ही ठंडी पड़ चुकी थी, लेकिन उसकी तपिश महसूस की जा रही थी। लोगों के दिल में इंदिरा की हत्या से उपजा क्षोभ अभी ताजा था..इसी बीच चुनाव आ गए...

उन दिनों विपक्ष का सबसे बड़ा दल था, जनता पार्टी। जनता पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर तीसरी बार अपनी पारंपरिक उत्तर प्रदेश की बलिया सीट से मैदान में उतरने की तैयारी कर चुके थे। उन दिनों लोकसभा की बलिया नाम से दो सीटें थी, पहली उत्तर प्रदेश की बलिया, जो अब भी है, और दूसरी बिहार की बलिया, जो परिसीमन के बाद खत्म हो चुकी है। नवंबर 1984 के आखिरी हफ्ते की कोई तारीख थी। चंद्रशेखर नामांकन दाखिल करने के लिए बलिया आ रहे थे। तब इलाहाबाद से बरौनी तक मीटर गेज की रेल चलती थी। इसी रेल रूट पर बलिया भी पड़ता है। तब बलिया से वाराणसी के बीच छुकछुकिया यानी भाप इंजन वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस चलती थी। जो वाराणसी से चलकर करीब बारह बजे बलिया पहुंचती थी। चंद्रशेखर उसी इंटरसिटी एक्सप्रेस बलिया आ रहे थे। इसकी जानकारी उनके समाजवादी कार्यकर्ताओं के तमाम लोगों की थी। उन दिनों चंद्रशेखर को बलिया के लोग दो नामों से ज्यादा पुकारते थे, अध्यक्ष जी और दाढ़ी। चंद्रशेखर इंटरसिटी से जैसे ही बलिया के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर उतरे, उनके कार्यकर्ता फूलमालाओं के साथ उनके स्वागत में बढ़े तो कुछ दूर स्थित युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने जोर-जोर से नारा लगाना शुरू कर दिया, भिंडरवाला वापस जाओ, भिंडरवाला वापस जाओ..

जून 1984 में सिखों के तीर्थ स्थल अमृतसर के

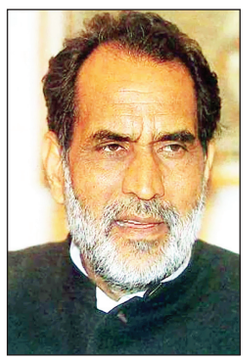

स्वर्णमंदिर में सैनिक कार्रवाई हुई थी..उस कार्रवाई में पंजाब को दहशत का केंद्र बनाने वाला जनरैल सिंह भिंडरवाला मारा जा चुका था। इसी कार्रवाई से सिख समुदाय गुस्से में था, जिसकी दुखद परिणति 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के रूप में सामने आई। चंद्रशेखर ने स्वर्णमंदिर में सैनिक कार्रवाई का जोरदार शब्दों में विरोध किया था..इंदिरा की हत्या के बाद उनका यह विरोध चर्चा में आ गया था.. तत्कालीन सहानुभूति लहर के चलते इस बयान की वजह से चंद्रशेखर भी लोगों के निशाने पर थे... बलिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ लगा नारा उसी क्षोभ की अभिव्यक्ति कहा जा सकता है..चंद्रशेखर नारा लगा रहे युवाओं की तरफ कुछ कदम बढ़ाए भी..कुछ देर के लिए नारा थम गया..लेकिन बाद में नारा तब तक लगता रहा, जब तक वे प्लेटफॉर्म से निकलकर अंबेसडर कार से बलिया कलेक्ट्रेट नहीं चले गए.. बलिया कलेक्ट्रेट में नामांकन दाखिल करने के बाद उनकी सभा शहर के रामलीला मैदान में हो रही थी..जाड़े की गुनगुनी धूप ढलने लगी थी..जुलूस के साथ चंद्रशेखर रामलीला मैदान पहुंचे। तब वे खादी मटका का कुर्ता, धोती और बंडी पहने थे। कंधे पर बेतरतीब चादर भी थी..उनके नामांकन को कवर करने के लिए कुछ विदेशी पत्रकार भी बलिया पहुंचे थे.. रामलीला मैदान की उस सभा में बैठने का इंतजाम नहीं था..ज्यादातर लोग खड़े ही थे...चंद्रशेखर मंच पर पहुंचे..भिंडरवाला वापस जाओ के नारे से हुए स्वागत से उन्हें भरोसा हो गया था कि स्वर्णमंदिर में हुई सैनिक कार्रवाई के चलते लोगों में उन्हें लेकर गुस्सा है। लिहाजा उन्होंने अपने भाषण में सफाई देनी शुरू की...जिस सिख कौम के लिए सिखों के गुरू तेगबहादुर ने अपने शीश चढ़ा दिया, जिसके लिए गुरू गोविंद सिंह के दो बेटों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया..उस महान कौम के तीर्थ स्थल पर सैनिक कार्रवाई का विरोध करके मैने गलती कहां गलती की...

अभी चंद्रशेखर का वाक्य पूरा ही नहीं हुआ कि तकरीबन पूरे मैदान से विरोध के सुर फूट पड़े, कोई उन्हें भोजपुरी में दाढ़ी के संबोधन के साथ चुप रहने की नसीहत दे रहा था..तो कोई उनके सफाई देने पर सवाल उठा रहा था..

चंद्रशेखर समवेत विरोध के इस सुर से चकित रह गए.. बेशक तब तक वे बड़े नेता के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनकी अपीलों का कोई असर नहीं हुआ..लोगों ने उनका खुलकर विरोध किया..विरोध का प्रमुख वजह रही इंदिरा की हत्या को लेकर कांग्रेस के प्रति उपजी हमदर्दी और गुस्सा...

1977 और 1980 के चुनावों में जिस बलिया ने चंद्रशेखर को अपना संसदीय ताज बनाया, उसी बलिया ने दिसंबर 1984 में हुए आम चुनावों में नापसंद कर दिया..कांग्रेस के जगन्नाथ चौधरी के हाथों जनता पार्टी के अध्यक्ष जी को 54 हजार 940 वोटों से हार मिली...बलिया से कांग्रेस के आखिरी नुमाइंदे जगन्नाथ चौधरी ही रहे..उसके बाद 1989, 1991, 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनावों में चंद्रशेखर को लगातार जीत मिली...उनके निधन के बाद हुए 2007 के उपचुनाव में उनके बेटे नीरज शेखर समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते। नीरज को 2009 में भी जीत मिली, लेकिन 2014 में वे हार गए। अब वे बीजेपी में शामिल हो चुके हैं और अपने पिता की विरासत पर बीजेपी के टिकट पर दावा ठोक रहे हैं... बलिया में जब भी चुनाव आता है, चंद्रशेखर की याद आना स्वाभाविक है और इसके साथ ही उनके खिलाफ 1984 में लगा वह नारा भी, भिंडरवाला वापस जाओ।

# अमेठी लोकसभा सीट से 25 वर्षों में पहली बार गांधी परिवार से कोई चुनाव नहीं लड़ रहा

उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट को गांधी परिवार के सबसे मजबूत किलों में से एक माना जाता रहा है लेकिन 25 वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जब गांधी परिवार का कोई भी सदस्य लोकसभा चुनाव में इस सीट से चुनाव मैदान में नहीं उतरेगा। वर्ष 1967 में निर्वाचन क्षेत्र बने अमेठी को गांधी परिवार का मजबूत किला माना जाता है और करीब 31 वर्षों तक गांधी परिवार के सदस्यों ने इस लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया है। पिछले आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी कांग्रेस के इस किले को भेदने में सफल रहीं और उन्होंने राहुल गांधी को 55 हजार से ज्यादा मतों से शिकस्त दी थी। इस बार राहुल गांधी रायबरेली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे जबकि गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। शर्मा ने गांधी परिवार की गैर-मौजूदगी में दोनों प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों का काम-काज संभाला है। अमेठी लोकसभा सीट पर गांधी परिवार को 1998 में उस समय झटका लगा था, जब राजीव गांधी और सोनिया गांधी के करीबी सतीश शर्मा को भाजपा के संजय सिंह के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था। यह पहला मौका था जब यह सीट गांधी परिवार के हाथ से निकल गयी थी। सोनिया गांधी ने 1999 में सिंह को तीन लाख से ज्यादा मतों से हराकर अमेठी को फिर से कांग्रेस की झोली में डाल दिया था। सोनिया ने 2004 में रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और राहुल गांधी को अमेठी सीट सौंपी गयी।राहुल ने 2004, 2009 और 2014 में लगातार तीन बार इस सीट पर जीत दर्ज की लेकिन 2019 में उन्हें स्मृति इरानी के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। अमेठी, उत्तर प्रदेश की 80 संसदीय सीटों में से एक प्रमुख लोकसभा सीट है, जिसमें पांच विधानसभा क्षेत्र तिलोई, सालोन, जगदीशपुर, गौरीगंज और अमेठी आते हैं। पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस, भाजपा और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) इस क्षेत्र में तीन मुख्य दलों के रूप में उभरे हैं। अमेठी लोकसभा सीट से सबसे पहले सांसद चुने जाने वाले व्यक्ति थे कांग्रेस के विद्याधर बाजपेयी, जिन्होंने न सिर्फ 1967 में बल्कि 1971 में भी यहां से जीत हासिल की थी। 1977 के चुनाव में जनता पार्टी के रवींद्र प्रताप सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी को हराकर इस सीट पर कब्जा जमाया था। लेकिन संजय गांधी ने 1980 के आम चुनाव में सिंह को हराकर महज तीन वर्षों में अपना चुनावी बदला पूरा कर लिया। उसी वर्ष के आखिर में संजय गांधी की एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसके बाद 1981 में हुए उपचुनाव में संजय के भाई राजीव गांधी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को दो लाख से अधिक मतों से हराकर अमेठी से शानदार जीत हासिल की थी। राजीव गांधी ने 1991 तक अमेठी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसी वर्ष उग्रवादी समूह लिट्टे ने उनकी हत्या कर दी। राजीव की हत्या के बाद, इसी वर्ष हुए उपचुनाव में अमेठी से सतीश शर्मा जीते और 1996 में फिर से सांसद चुने गए लेकिन 1998 में भाजपा के संजय सिंह ने उन्हें हरा दिया। स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 4,68,514 मत हासिल कर 55 हजार से अधिक मतों के अंतर से अमेठी सीट पर जीत हासिल की थी जबकि राहुल गांधी को 4,13,394 वोट मिले थे। इससे पहले 2014 के आम चुनाव में राहुल गांधी ने 4,08,651 मतों के साथ लगातार तीसरी बार अमेठी सीट पर अपना कब्जा जमाया था जबकि ईरानी को 3,00,748 मत प्राप्त हुए थे। अमेठी और रायबरेली सीट पर 20 मई को मतदान होना है।

# बदतमीज गिल में नजर आएंगी वाणी कपूर

बॉलीवुड दिवा वाणी कपूर एक आने वाली ड्रामा फिल्म बदतमीज़ गिल को शीर्षक देने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म बरेली और लंदन की एक लड़की और उसके परिवार की कहानी बताएगी। आगामी फिल्म का निर्माण निकी भगनानी और विक्की भगनानी, विनय अग्रवाल, अंकुर तकरानी और अक्षद घोने द्वारा किया जा रहा है। इसका निर्देशन नवजोत गुलाटी कर रहे हैं, जिन्होंने रनिंग शादी, गिन्नी वेड्स सनी लिखी है और जय मम्मी दी और जल्द ही रिलीज होने वाली पूजा मेरी जान जैसी फिल्में निर्देशित की हैं।

वाणी एक बिल्कुल अलग पक्ष दिखाएगी एएनआई ने निर्माता जोड़ी निक्की और विक्की के हवाले से बताया, वाणी कपूर हमारी महत्वाकांक्षी परियोजना बदतमीज़ गिल का नेतृत्व कर रही हैं, जो मई के पहले सप्ताह में शुरू होने वाली है! वाणी पहली और एकमात्र पसंद थीं और वह हर तरह से इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। हमारी फिल्म में उनका अभिनय सही जगह पर है। उन्होंने कहा, वाणी एक शीर्ष अभिनेत्री हैं, और उन्हें कभी भी कॉमेडी और पारिवारिक मनोरंजन वाली फिल्मों में नहीं देखा गया है। हमें लगता है कि वह इस शैली में शानदार काम करेंगी। यह भूमिका किसी ऐसे व्यक्ति को ध्यान में रखकर लिखी गई थी उसकी।

मुख्य भूमिका के लिए वाणी को चुनने के पीछे के कारण के बारे में बात करते हुए, दोनों ने आगे कहा, हमें एक खूबसूरत, आत्मविश्वासी लड़की की जरूरत थी जो अपने परिवार और दोस्तों के लिए दंगा बन सके। वाणी असल जिंदगी में यही शख्स हैं। इसलिए, जब हम उनसे मिले, तो हमें पता था कि हमें अपना मार्ग मिल गया है! वह अपनी मौजूदगी से स्क्रीन पर रौनक लाएंगी और उम्मीद है कि हम अपनी फिल्म से ढेर सारे लोगों का मनोरंजन करेंगे।

### बदतमीज़ गिल और वाणी के अन्य प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी

फिल्म में अपारशक्ति खुराना वाणी के भाई की भूमिका में हैं और परेश रावल फिल्म में वाणी के पिता की भूमिका में हैं। फिल्म का शूटिंग शेड्यूल बरेली में शुरू होने वाला है। बदतमीज़ गिल के अलावा, वाणी अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, फरदीन खान, एमी विर्क और आदित्य सील के साथ खेल खेल में की तैयारी कर रही हैं, जो इस साल 6 सितंबर को अक्षय के जन्मदिन वाले सप्ताह के साथ रिलीज़ होगी।

# जुनैद और खुशी तमिल की हिट फ़िल्म लव टुडे के हिंदी रीमेक में एक साथ आएंगे नजर

आमिर खान के बेटे जुनैद खान बॉलीवुड में अपनी डेब्यू फ़िल्म के अलावा कई फ़िल्मों के साथ कदम रख रहे हैं । हाल ही में जुनैद खान ने रिकॉर्ड समय में अपनी दो फ़िल्मों की शूटिंग ख़त्म की । और अब सुनने में आ रहा है कि, जुनैद जल्द ही एक साउथ फ़िल्म के हिंदी रीमेक में लीड रोल में नज़र आने वाले हैं। इस फ़िल्म में जुनैद खान के अपोजिट द आर्चीज़ स्टार खुशी कपूर होंगी। जुनैद और खुशी की इस फ़िल्म को आमिर के सबसे भरोसेमंद निर्देशक, अद्वैत चंदन करेंगे। जुनैद और खुशी 2022 की तमिल हिट फ़िल्म लव टुडे के हिंदी रीमेक में एक साथ नज़र आने वाले हैं । अभी तक फ़िल्म टाइटल तय नहीं हुआ है । लेकिन इस फ़िल्म में जुनैद और खुशी एक दूसरे के अपोजिट नज़र आ सकते हैं । तमिल हिट फ़िल्म लव टुडे, जिसे प्रदीप रंगनाथन द्वारा निर्देशित किया गया था और एजीएस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया था, में कल्पथी एस. अघोरम, कल्पथी एस. गणेश और कल्पथी एस. सुरेश ने लीड रोल निभाया था ।

# वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की रॉम-कॉम सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अक्षय ओबेरॉय को मिला अहम रोल

बहुप्रतीक्षित कॉमेडी रॉम-कॉम सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अक्षय ओबेरॉय भी शामिल हुए। वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ के साथ, अक्षय ओबेरॉय इस प्रतीक्षित फिल्म में अपने करिश्मा और कॉमिक टाइमिंग को सिल्वर स्क्रीन पर लाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्टों के अनुसार वह मुख्य सहायक भूमिकाओं में से एक की भूमिका निभाएंगे। यह एक शुद्ध पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है जिसकी पृष्ठभूमि में रोमांस है, शशांक खेतान द्वारा निर्देशित।

प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में अपनी उत्तेजना व्यक्त करते हुए, अक्षय ओबेरॉय ने कहा, सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के कलाकारों में शामिल होना एक शानदार अवसर है। वरुण, जाह्नवी कपूर और सान्या जैसे प्रतिभाशाली सह-कलाकारों के साथ काम करना अविश्वसनीय रूप से रोमांचक है। मैं दर्शकों को हास्य और रोमांस के उस मिश्रण का आनंद लेने के लिए उत्सुक हूं जो हम स्क्रीन पर ला रहे हैं। यह फिल्म यादगार होगी । धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी हंसी की फुवार लाने के लिए तैयार है, जिसमें हास्य और रोमांस का मिश्रण इस तरह से किया जाएगा जो सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा। फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है और अक्षय इस बैनर के साथ डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 2025 में रिलीज़ होगी।

# पठान डायरेक्टर कृष 4 की अगले साल शुरू करेंगे है शूटिंग

बैंग बैंग, वॉर, पठान की सुपर सक्सेस के बाद सिद्धार्थ आनंद बॉलीवुड के सबसे डिमांडिंग फ़िल्ममेकर में से एक बन गए हैं । कुछ समय पहले खबर आई थी, सिद्धार्थ आनंद ऋतिक रोशन की कृष 4 को डायरेक्ट कर सकते हैं । लेकिन इसके बाद इस खबर पर कोई अपडेट नहीं आया । लेकिन हाल ही में सिद्धार्थ आनंद ने कृष 4 को लेकर एक बड़ी हिंट दी है जिसके बाद क़यास लगाए जा रहे हैं कि, ऋतिक रोशन की कृष 4 को सिद्धार्थ आनंद ही डायरेक्ट करने वाले हैं । बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने तीन साल पहले 2021 में कृष की चौथी किस्त पर एक अपडेट दिया था । लेकिन हाल ही में निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आया है । लेकिन इस हफ्ते की शुरुआत में, एक सोशल मीडिया पेज ने कृष पोशाक में ऋतिक का एक पोस्टर अपलोड किया और कैप्शन दिया, 'वह आ रहा है' सिद्धार्थ आनंद ने पोस्ट का जवाब देते हुए कहा, 'हां, वह है' । सिद्धार्थ के जवाब से अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या वह, राकेश रोशन से कमान संभालने के बाद फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म का निर्देशन करेंगे । इस पर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं आई है । इस साल की शुरुआत में, ऋतिक और सिद्धार्थ की फाइटर जनवरी में रिलीज़ हुई थी। दोनों ने बैंग बैंग और वॉर में भी साथ काम कर चुके हैं । कृष बॉलीवुड की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है । साल की शुरुआत में, मिड-डे ने कहा था कि राकेश और ऋतिक रोशन आगामी फिल्म के लिए एक फ्रेश और इनोवेटिव कहानी लेकर आने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं । जहां ऋतिक इन दिनों वॉर 2 की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं कहा जा रहा है कि, कृष 4 की स्क्रिप्ट अपने फ़ाइनल स्टेज में है । रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम अगले साल तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने का प्लान कर रही है । ऋतिक ने पूरी गर्मियों में कई मीटिंग्स की। राकेश और वह दोनों एक ऐसी कहानी देना चाहते हैं जो उम्मीदों से बढ़कर हो। सूत्र ने उस समय प्रकाशन को बताया था ।

# जल्द लौट रहा है पठान

शाहरुख खान पूरे 2023 में बिजी रहे और उन्हें इस साल अपनी अगली फिल्म के लिए काम शुरू करना अभी बाकी है. शुक्रवार (3 मई) को स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए शाहरुख ने इस बात का खुलासा किया कि वह इस साल कब शूटिंग पर वापस जाएंगे. इसके अलावा भी बहुत सी बातें कीं. शाहरुख ने कहा कि पिछले साल उनकी तीन फिल्में (पठान, जवान और डंकी) रिलीज हुईं जिसका मतलब है कि वह बिना रुके काम कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यह देखते हुए कि उनके कैरेक्टर्स के लिए फिजिकली उनसे बहुत उम्मीदें की जाती हैं. उन्होंने ब्रेक लेने की बजया इस वक्त अपनी आईपीएल क्रिकेट टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर फोकस करने का फैसला किया. उन्होंने कहा, मुझे लगा कि मैं थोड़ा आराम कर सकता हूं. तीन फिल्में कर चुका हूं इसमें काफी शारीरिक मेहनत भी करनी पड़ी तो मैंने कहा कि शायद मैं कुछ समय की छुट्टी लूंगा. मैंने पूरी टीम से कहा, मैं मैच में आऊंगा. किस्मत से मेरी शूटिंग अब अगस्त में है, या जुलाई... हम जून में प्लानिंग बना रहे हैं शायद जून से शुरू होगी. इसलिए मैं सभी मैचों में आने के लिए बिल्कुल फ्री हूं. मैं खुशी से आता हूं. उसी चैनल के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में शाहरुख ने विराट कोहली को बॉलीवुड का दामाद कहा. उन्होंने कहा, मैंने उनके साथ काफी समय बिताया, मैं बस उनसे प्यार करता हूं. हम कहते हैं कि वह हमारा दामाद है, वह हमारी बिरादरी का दामाद है. मैं दूसरे खिलाड़ियों की तुलना में उन्हें सबसे ज्यादा जानता हूं. मैं विराट और अनुष्का को लंबे समय से जानता हूं उनके साथ काफी समय बिताया है. मैं उन्हें तब से जानता हूं जब उनका डेटिंग पीरियड चल रहा था और मैं अनुष्का के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहा था. इसलिए उन्होंने हमारे साथ कई दिन बिताए और बहुत घुलमिल गए.

# कार्तिक, अजय, अनन्या और तृप्ति समेत ये स्टार्स बने ग्लैम नाइट के मोस्ट स्टाइलिश विनर

माचो हिंट प्रस्तुत बॉलीवुड हंगामा स्टाइल आइकॉन्स समिट एंड अवार्ड्स 2024 के दूसरे सीजन की शुरुआत धमाकेदार रही है । 2 मई को ताज लैंड्स एंड में आयोजित हुआ यह कार्यक्रम भारतीय मनोरंजन उद्योग में शैली और प्रतिभा का एक स्टार-स्टडेड उत्सव साबित हुआ । बॉलीवुड हंगामा का स्टाइल आइकॉन्स 2024 का दूसरा सीजन का आगाज पैनल डिस्कशन, जिसमें मनोरंजन जगत की हस्तियाँ शामिल हुई और फ़ैशन व स्टाइल पर अपनी-अपनी राय रखी, के साथ हुए और उसके बाद ग्लैमर से भरी अवॉर्ड्स नाइट हुई, जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज शामिल हुए । बॉलीवुड हंगामा स्टाइल आइकॉन्स समिट एंड अवार्ड्स 2024 के दूसरे सीजन में तमाम नॉमिनेशन में से विजेता बनकर उभरे- अजय देवगन, कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडे, पूजा हेगड़े और तृप्ति डिमरी ।

**बॉलीवुड हंगामा स्टाइल आइकॉन्स समिट एंड अवॉर्ड्स 2024 के दूसरे सीजन की विनर लिस्ट**

**मोस्ट स्टाइलिश टाइमलैस सिल्वर-स्क्रीन लेजेंड**
अजय देवगन

**मोस्ट स्टाइलिश लीडिंग एंटरटेनर ऑफ़ द ईयर- फ़ीमेल**
अनन्या पांडे

**मोस्ट लव्ड यूथ आइडल ऑफ द ईयर- मेल**
आयुष्मान खुराना

**मोस्ट लव्ड जोड़ी ऑफ द ईयर**
ऋ्या चड्ढा - अली फज़ल

**एटर्नल स्क्रीन लेजेंड्स**
जावेद अख्तर- शबाना आजमी

**मोस्ट स्टाइलिश म्यूज़िक पर्सनेलिटी ऑफ़ द ईयर**
जोनिता गांधी

**मोस्ट स्टाइलिश फ़िल्ममेकर ऑफ़ द ईयर**
कबीर खान

**मोस्ट स्टाइलिश पावर-पैक्ड परफ़ॉर्मर ऑफ़ द ईयर- मेल**
कार्तिक आर्यन

**मोस्ट स्टाइलिश हॉट-स्टेपर ऑफ़ द ईयर**
मलाइका अरोड़ा

**मोस्ट स्टाइलिश स्क्रीन स्टीलर ऑफ़ द ईयर**
मनीष पॉल

**मोस्ट स्टाइलिश टीवी एक्टर ऑफ़ द ईयर- मेल**
नकुल मेहता

**मोस्ट स्टाइलिश डायनैमिक टैलेंट ऑफ़ द ईयर**
नवाजुद्दीन सिद्दीकी

**मोस्ट स्टाइलिश मैगनेटिक स्टार ऑफ़ द ईयर**
नुसरत भरुचा

**मोस्ट स्टाइलिश वर्सेटाइल टैलेंट ऑफ़ द ईयर**
पूजा हेगड़े

**मोस्ट स्टाइलिश डिजिटल स्टार ऑफ़ द ईयर**
प्राजक्ता कोली

**मोस्ट स्टाइलिश इनोवैटर**
राधिका मदान

**मोस्ट स्टाइलिश पावर-पैक्ड एक्टर ऑफ़ द ईयर- मेल**
राजकुमार राव

**मोस्ट स्टाइलिश टीवी एक्टर ऑफ़ द ईयर- फ़ीमेल**
रूपाली गांगुली

**मोस्ट स्टाइलिश एंटरप्रेन्योर ऑफ़ द ईयर**
सनी लियोनी

**मोस्ट स्टाइलिश ग्राउंड ब्रेकिंग स्टार ऑफ़ द ईयर**
तृप्ति डिमरी

**मोस्ट स्टाइलिश पावरहाउस परफ़ॉर्मर**
विजय वर्मा

**मोस्ट स्टाइलिश सॉलिड परफॉरमेंस ऑफ़ द ईयर**
अलाया एफ

माचो हिंट का दूसरा संस्करण सिनेमा वाले फिल्म एंड टेलीविजन प्रोडक्शंस एलएलपी और एक्रॉस मीडिया सॉल्यूशन के सहयोग से बॉलीवुड हंगामा स्टाइल आइकॉन समिट और अवार्ड्स 2024 प्रस्तुत करता है, जो 2 मई, 2024 को मुंबई के ताज लैंड्स एंड में आयोजित हुआ । पुरस्कार शो के मुख्य आकर्षणों में उत्साहवर्धक पैनल चर्चाओं के अलावा अजय देवगन, कार्तिक आर्यन, अनन्या पांडे, जान्हवी कपूर और कई अन्य बड़े नाम शामिल होने की उम्मीद है। यह पुरस्कार माचो हिंट, को-पावर्ड बाय टीवीएस रेडर, प्रीमियम लॉन्जरी पार्टनर अमांटे, एस्ट्रोलॉजी पार्टनर एस्ट्रोटॉक, गोल्ड पार्टनर सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स, स्टाइलिश फुटवियर पार्टनर रेड चीफ, स्टाइलिश वॉचेज पार्टनर पोज़ सोनाटा, आउटडोर पार्टनर ब्राइट आउटडोर और वेन्यू पार्टनर ताज होटल्स द्वारा प्रदान किया जा रहा है ।

# रंगीला के लिए पहली पसंद नहीं थीं उर्मिला मातोंडकर

उर्मिला मातोंडकर भारतीय सिनेमा की उन बेहतरीन कलाकारों में से हैं जिन्होंने ना सिर्फ बॉलीवुड बल्कि तेलुगु, मलयालम, मराठी और तमिल सिनेमा में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी है. एक्ट्रेस ने 1977 से फिल्मों में एक्टिव हैं. उन्होंने अपने सफर की शुरुआत एक चाइल्ड एक्टर के तौर पर की थी. उर्मिला ने करीब 3 साल की उम्र में बी.आर. चोपड़ा की फिल्म कर्म (1977), और श्रीराम लागू की मराठी फिल्म जाकोल (1980), और श्याम बेनेगल की अपराध ड्रामा कलयुग (1980) में काम किया था. शेखर कपूर की मासूम (1983) में शानदार एक्टिंग करने के बाद एक चाइल्ड स्टार के रूप में उर्मिला के फैन फॉलोइंग बढ़ गई. मासूम के बाद उर्मिला ने प्रवीण भट्ट की भावना (1984), के. विश्वनाथ की सुर संगम (1985), राहुल रवैल की डकैत (1987) और कल्पतरु की. उर्मिला ने बतौर लीड हीरोइन काम की शुरुआत 1989 की मलयालम ब्लॉकबस्टर चाणक्यन से की. उर्मिला ने अपना बॉलीवुड सफर सुपरहिट नरसिम्हा (1991) से शुरू किया. उर्मिला ने चमत्कार, द्रोही और गायम जैसी सफल फिल्मों में काम किया. 1993 और 1994 में उर्मिला ने ज्यादा सफल फिल्में नहीं दीं. इनमें ऋषि कपूर के साथ श्रीमान आशिक, अजय देवगन के साथ बेदर्दी और जुगल हंसराज के साथ आ गले लग जा शामिल हैं. उर्मिला की फ्लॉप फिल्मों का सिलसिला उस फिल्म के साथ खत्म हुआ जिसने उन्हें उस वक्त का बड़ा सितारा बना दिया. राम गोपाल वर्मा के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक कॉमेडी रंगीला उनके लिए एक सक्सेसफुल फिल्म साबित हुई. इस फिल्म में उर्मिला ने एक्ट्रेस बनने की ख्वाहिश रखने वाली एक लड़की का रोल किया था. आमिर खान और जैकी श्रॉफ के साथ आई रंगीला को क्रिटिक्स से लेकर जनता तक सभी का प्यार मिला. फिल्म को 8 सितंबर, 1995 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था. रंगीला की सक्सेस के साथ उर्मिला रातोंरात सेंसेशन और सुपरस्टार बन गईं.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## ओडिशा में छह मई को चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे मोदी

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ओडिशा में एक साथ होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रचार के लिए अगले कुछ दिन में राज्य का दौरा करने वाले हैं। पार्टी के एक नेता ने बताया कि मोदी सोमवार को ब्रह्मपुर और नवरंगपुर लोकसभा क्षेत्रों में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शनिवार से राज्य का दो दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वह बुद्धिजीवियों और पत्रकारों से मुलाकात करेंगे। भाजपा की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष गोलक महापात्रा ने यहां पत्रकारों से कहा कि 28 अप्रैल को ब्रह्मपुर में एक रैली को संबोधित करने वाले नड्डा चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए रविवार को फिर से ओडिशा का दौरा करेंगे। महापात्रा ने कहा, भाजपा प्रमुख नड्डा भुवनेश्वर और कटक में पार्टी कार्यक्रमों में भाग लेंगे। विदेश मंत्री ओडिशा के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। इस दौरान वह भुवनेश्वर, कटक और संबलपुर में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 25 अप्रैल को सोनपुर से ओडिशा में भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत की थी।

## ओडिशा में कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने से किया इनकार

**भुवनेश्वर।** ओडिशा के पुरी में कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहंती ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने पार्टी को चिट्ठी लिख कर कहा है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं हैं और पार्टी कोई आर्थिक मदद नहीं कर रही है। सुचारित पत्रकारिता से राजनीति में आई हैं। इस सीट पर भाजपा की ओर से संबित पात्रा उम्मीदवार हैं। मोहंती ने कहा कि सार्वजनिक दान अभियान और न्यूनतम खर्च जैसे प्रयासों के बावजूद, वह आर्थिक रूप से संघर्ष करती रहीं और एक प्रभावशाली अभियान को कायम नहीं रख सकीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में मोहंती राज्य की सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजेडी) के पिनाकी मिश्रा से हार गई थीं। चुनाव लड़ने से इनकार करते हुए सुचरिता मोहंती ने कहा, मुझे पार्टी से फंड नहीं मिला। विधानसभा क्षेत्रों में कमजोर उम्मीदवारों को टिकट दिए गए। बीजेपी और बीजेडी पैसे के पहाड़ पर बैठे हैं। यह मुश्किल था। मैं इस तरह प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहती।

## प्रज्वल रेवन्ना मामले में राहुल गांधी की सीएम को चिट्ठी

**बेंगलूरू।** कर्नाटक की राजनीति में हलचल मची हुई है। कई महिलाओं से यौन शोषण के आरोप झेल रहे पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस मामले को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा है। उन्होंने अनुरोध किया है कि पीड़ितों की हरसंभव सहायता की जाए। इस पत्र का सिद्धारमैया ने जवाब दिया है। राहुल गांधी ने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया आप सभी पीड़ितों की हरसंभव मदद करें। यह सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार सभी पक्षों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। सिद्धारमैया को लिखे पत्र में कांग्रेस नेता ने दक्षिणी राज्य से सांसद रेवन्ना की आलोचना की। इसके साथ ही उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्रछाया में रहने का आरोप लगाया।

## चुनाव के बाद सभी विपक्षी दल आएंगे साथ : शशि थरूर

**नई दिल्ली।** विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। वहीं इस गठबंधन में प्रधानमंत्री के चेहरे को लेकर राजनीति जारी है। इस बीच, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने साफ कर दिया कि एक साथ या एक-दूसरे के खिलाफ प्रचार कर रहे विपक्षी दल लोकसभा चुनाव के बाद साथ आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार में लोगों को ऐसा प्रधानमंत्री मिलेगा, जो सबको समान भाव से देखता हो और दूसरों की बात सुनता हो। थरूर ने एक इंटरव्यू में कहा कि गठबंधन सरकार को लेकर डर की कोई बात नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि एक पार्टी की सरकारों की तुलना में ऐसी (गठबंधन) सरकारों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन बेहतर होता है। यह बदलाव का चुनाव है और भाजपा ने विमर्श पर अपनी पकड़ खो दी है। थरूर ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने के पार्टी के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि निमंत्रण को अस्वीकार करना सही था।

## चुनावी प्रचार के दौरान बिगड़ी तेजस्वी यादव की तबीयत

**पटना।** बिहार के अररिया में चुनाव प्रचार के दौरान राजद नेता तेजस्वी यादव को पीठ में हल्की चोट लग गई। एक वीडियो में दिखाया गया कि तेजस्वी यादव को मंच से उतरने में सुरक्षाकर्मी मदद कर रहे हैं। राजद ने एक्स पोस्ट में लिखा कि तेजस्वी यादव चोट लगने के बावजूद भी आपके बीच गए क्योंकि आपको आपके मुद्दों से भटकने से रोकना ज़रूरी है, आरक्षण मिटाने और संविधान बदलने की कसम खाए संघियों से सचेत करना ज़रूरी है, बलात्कारियों को संरक्षण देने और उन्हें देश से भगाने वालों के वास्तविक चरित्र से परिचय करवाना ज़रूरी है, इसीलिए तेजस्वी यादव का आपके पास आना ज़रूरी है। वहीं, तेजस्वी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि महीनों से अलट-पलट वाली अथक सामाजिक राजनीतिक यात्रा रही है। आराम के अभाव एवं निरंतर यात्रा के कारण दो हफ़्ते से कमर में हल्का दर्द था, दो दिन से अचानक बढ़ गया।

### मोदी मौज नहीं, मिशन के लिए पैदा हुआ है, झारखंड में बोले प्रधानमंत्री-

# मेरी आंसुओं में अपनी खुशी ढूंढ रहे कांग्रेस के शहजादे

**रांची।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज झारखंड के पलामू में चुनावी रैली को संबोधित किया। राजभवन में रात्रि विश्राम के बाद पीएम ने पलामू और गुमला में भाजपा उम्मीदवारों बीडी राम और अर्जुन मुंडा के पक्ष में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने एक वोट के महत्व को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। 2014 में आपके एक वोट ने ऐसा काम किया कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लगी थी। आपने 2014 में अपने एक वोट से कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार को हटा दिया था। आपके एक वोट ने भाजपा-एनडीए की सरकार बनाई।

मोदी ने कहा कि आपके इस एक वोट की ताकत से आज भारत का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। 500 साल से हमारी कितनी ही पीढियां संघर्ष करती रही, इंतजार करती रही, लाखों लोग शहीद हुए, 500 साल लंबा संघर्ष चला। शायद इतिहास में इतना लंबा संघर्ष कहीं नहीं हुआ, जो अयोध्या में हुआ। उन्होंने कहा कि 500 साल में जो काम नहीं हुआ, आपके एक वोट से वो कार्य पूरा हुआ और आज अयोध्या में राम मंदिर बन गया। उन्होंने कहा कि आपके एक वोट की ताकत से जम्मू कश्मीर में धारा 370 की दीवार को जमीन में गाड़ दिया गया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश में, पशुपति से लेकर तिरुपति तक नक्सलवाद, आतंकवाद फैला कर यहां की धरती को लहूलुहान कर देता था। आपके एक वोट ने कितनी ही माताओं की आस पूरी की और इस धरती को नक्सलवादी आतंकवाद से मुक्ति दिला दी। उन्होंने कहा कि एक वो स्थिति थी, जब आतंकी हमले के बाद कांग्रेस की डरपोक सरकार दुनिया भर में जाकर रोती थी। लेकिन आज स्थिति ये है कि पाकिस्तान दुनिया भर में जाकर रो रहा है। आज पाकिस्तान के नेता कांग्रेस के शहजादे को पीएम बनाने के लिए दुआ कर रहे हैं। लेकिन मजबूत भारत तो अब मजबूत सरकार ही चाहता है।

उन्होंने दावा किया कि पूरा हिंदुस्तान कह रहा है - मजबूत भारत के लिए मजबूत सरकार, मजबूत सरकार के लिए मोदी सरकार। मोदी ने कहा कि आपके आशीर्वाद से सीएम और पीएम के रूप में देशवासियों की सेवा करते हुए मुझे अब 25 साल हो जाएंगे। इन 25 वर्षों में आपके

आशीर्वाद से मोदी पर एक पैसे के घोटाले का भी आरोप नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि मैं आज भी पद, प्रतिष्ठा, सुख-समृद्धि से दूर आज भी वैसा ही हूं, जैसा आपने मुझे यहां भेजा था। मोदी मौज नहीं, मिशन के लिए पैदा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जेएमएम-कांग्रेस के नेताओ ने भ्रष्टाचार से अपार धन संपदा खड़ी की है। संपत्ति हो, राजनीति हो, सब कुछ ये अपने-अपने बच्चों के लिए अर्जित कर रहे हैं। ये उनके लिए विरासत में ढेर सारी काली कमाई छोड़ कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं तो गरीबी का जीवन जीकर आया हूं। इसलिए, 10 वर्षों में गरीब कल्याण की हर योजना की प्रेरणा, मेरे जीवन के अनुभव ही हैं। जब आज लाभार्थियों से मिलता हूं, तो खुशी के मारे आंसू आ ही जाते हैं। ये आंसू वही समझ सकता है, जिसने गरीबी देखी हो, जिसने कष्ट में जीवन गुजारा हो।

राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे मोदी के आंसुओं में अपनी खुशी ढूंढ रहे हैं। कहते हैं कि मोदी के आंसू अच्छे लगते हैं। ये निराश-हताश लोग अब कुंठित हो गए हैं। एक कहावत है - जाके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई! कांग्रेस के शहजादे की हालत वही है। उन्होंने कहा कि मोदी के 10 साल के सेवाकाल में 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर निकले हैं। इसलिए वो आज भाजपा को आशीर्वाद दे रहे हैं। इन गरीब भाई-बहनों के आशीर्वाद ही मेरी शक्ति और मेरी पूंजी है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि वह झारखंड में रोजगार बढ़ाना चाहते हैं और यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली लाना चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर झारखंड की जनता की जमीनों पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो की नजर केवल जनता की जायदाद पर है, उन्हें इसके अलावा कुछ नहीं दिखता।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जब देश का संविधान बन रहा था, तब यह तय किया गया था कि धर्म के आधार पर किसी को भी आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब कांग्रेस, झामुमो और आरजेडी सब मिलकर आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों के आरक्षण में डाका डालकर उसे धर्म के आधार पर मुसलमानों को देना चाहते हैं। पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि जब तक वह जिंदा है, तब तक दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण में से रत्तीभर भी वह धर्म के आधार पर उनके वोटबैंक को नहीं देने देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने पलामू की धरती से आदिवासियों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती देश हर कोने में मनायी जाएगी। मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिन्होंने भगवान बिरसा के गांव का दौरा किया। वहां की मिट्टी को मुझे अपने माथे पर लगाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा आदिवासी हितों को सर्वोपरि रखा।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मैंने भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली से पीएम जन योजना का लाभ दिया। इस योजना से वे लोग लाभन्वित हुए जो आदिवासी समाज में सबसे पिछड़े हैं। इस मौके पर उन्होंने 13 मई को बीजेपी प्रत्यीशी वीडी राम के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि उस दिन जब वोट देने जाएं तो कमल फूल के निशान पर अपना बटन दबाएं। उन्होंने पलामू से भाजपा प्रत्याशी की तारीफ करते हुए कहा कि वीडी राम बड़े सरल व्यक्ति हैं। देश को ऐसे लोगों की जरूरत है। जब मैं दिल्ली में किसी से इनका परिचय कराता हूं तो लोग विश्वास ही नहीं करते कि ये डीजीपी रह चुके हैं।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पलामू का जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने कहा कि पहले इस जिले के लोगों को पिछड़ा जिला कहकर अपमानित किया जाता था। यहां पर कोई अफसर आना नहीं चाहता था। लेकिन मैंने इस पिछड़े जिले को आकांक्षी जिला बनाया। दिल्ली में कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों के नेताओं से पूछ लीजिए तो उन्हें पता नहीं होगा कि पलामू कहां है।

### प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया शहंशाह

# 'शहजादे' ने की 4000 किमी पैदल यात्रा : प्रियंका गांधी

**अहमदाबाद।** कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने गुजरात के बनासकांठा में सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। प्रियंका गांधी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी को शहजादा कहने के लिए पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि वो खुद शहंशाह जैसा जीवन जीते हैं।

गुजरात के बनासकांठा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि वे मेरे भाई को शहजादा कहते हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि कैसे यह शहजादा आपकी समस्याओं को सुनने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किमी पैदल चला है। प्रियंका गांधी ने कहा कि दूसरी तरफ आपके शहंशाह नरेंद्र मोदी हैं, जो एक महल में रहते हैं। क्या आपने उन्हें टेलीविजन पर देखा है? उनके चेहरे पर धूल का एक भी कण दिखाई नहीं देता। वह आपकी समस्याओं को कैसे समझ सकते हैं।

बनासकांठा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी शहंशाह वाला जीवन जीते हैं। वो सत्ता से घिरे हुए हैं। पार्टी के नेता उनसे डरते हैं। उन्हें कोई कुछ नहीं कहता है। प्रियंका ने कहा कि उनके खिलाफ उठने वाली आवाज को दबा दिया जाता है। प्रियंका गांधी ने सवाल पूछते हुए कहा कि क्या आपने पीएम मोदी को किसी किसान से मिलते देखा है। किसानों के आंदोलन को दौरान कई किसानों की जान गई, लेकिन क्या किसी किसान से मिलने पीएम मोदी गये। प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि वो राहुल गांधी को शहजादा कहते हैं लेकिन क्या आपने पीएम मोदी को देखा है। वो महलों में रहते हैं। उनके कपड़ों में कभी धूल देखी है। उनके बाल कभी बिखरे दिखे हैं। वो कितने किसान, गरीब और आम लोगों से मिले हैं। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो 4000 किलोमीटर पैदल चलकर किसानों से, मजदूरों से, आम लोगों से मिले हैं। उनका सुख-दुख जाना है।

### प्रियंका और रॉबर्ट वाड्रा को हाशिये पर डाल रहा है राहुल कैंप : भाजपा

**नईदिल्ली।** किशोरी लाल शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए अमेठी से नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नके कैंप ने उनकी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा और बहनोई रॉबर्ट वाद्रा को हाशिए पर धकेल दिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी खेमे ने यूपी शहर में लोकप्रियता का दावा करने के बाद भी, रॉबर्ट वाड्रा को अमेठी सीट के लिए नजरअंदाज कर दिया।

अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह रॉबर्ट वाड्रा के लिए एक क्षण है, जिन्होंने अमेठी में अपार लोकप्रियता का दावा करने के बावजूद इस सीट पर ध्यान नहीं दिया। यह स्पष्ट है कि राहुल गांधी खेमा व्यवस्थित रूप से कांग्रेस में प्रियंका वाड्रा और उनके पति दोनों को हाशिये पर धकेल रहा है। कितनी जल्दी बहन बगावत कर देगी? अमित मालवीय ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा जल्द ही कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर सकती हैं। पिछले महीने रॉबर्ट वाड्रा ने दावा किया था कि वह अमेठी में लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि देश चाहता है कि वह सक्रिय राजनीति में रहें।

खेल
प्रमुख समाचार

## गुजरात के मोनांक पटेल विश्व कप में करेंगे कप्तानी

**नईदिल्ली।** आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 जल्द शुरू होने जा रहा है। पहली बार अमेरिका मेजबानी करेगा। इस बीच अमेरिका में खिलाड़ी नहीं हैं और दूसरे देश के खिलाड़ी बेड़ा पार करेंगे। भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड सहित कई देश के सहारे ट्रॉफी जीतने मैदान में अमेरिका उतर रहा है। वेस्टइंडीज के साथ इस आयोजन के सह-मेजबान अमेरिका ने गुजरात में जन्मे मोनांक पटेल के नेतृत्व में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर कोरी एंडरसन को शामिल किया गया है। पिछले तीन विश्व कपों में कीवी टीम के लिए अहम भूमिका निभाने के बाद एंडरसन आईसीसी आयोजनों में फिर से शामिल होने के लिए तैयार हैं, जिसमें 2015 में 50 ओवर के आयोजन में घरेलू मैदान पर एक स्वप्निल अभियान भी शामिल है। दिल्ली के पूर्व बल्लेबाज और 2018-19 रणजी ट्रॉफी में शीर्ष रन बनाने वाले मिलिंद कुमार को एक जून से शुरू होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका की टीम में जगह मिली है। दाएं हाथ के बल्लेबाज मिलिंद ने 2018-19 रणजी ट्रॉफी सत्र में सिक्किम का प्रतिनिधित्व करते हुए 1331 बनाये थे। उन्होंने इसके बाद त्रिपुरा का भी प्रतिनिधित्व किया। सिक्किम और त्रिपुरा से वह सत्र तक दिल्ली के लिए खेले थे। वह इसके बाद फिर बेहतर अवसरों की तलाश में अमेरिका चले गए थे। साल 2021 में अमेरिका में पदार्पण करने से पहले उन्होंने आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया है।

**टी20 विश्व कप के लिए अमेरिका की टीम**-मोनांक पटेल (कप्तान और विकेटकीपर), आरोन जोन्स (उप-कप्तान), एंड्रीज़ गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर , शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर और शायन जहांगीर।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

**नईदिल्ली।** देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन साथ ही न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, प्याज की निर्यात नीति को संशोधित कर तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक 550 डॉलर प्रति टन के एमईपी के तहत प्रतिबंध से मुक्त किया गया है। सरकार ने शुक्रवार रात प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया था। पिछले साल अगस्त में भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था। सरकार ने आठ दिसंबर, 2023 को इस साल 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। मार्च में निर्यात प्रतिबंध को अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया था। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने मार्च में प्याज उत्पादन के आंकड़े जारी किए थे।

## अदाणी ग्रुप अब फिलीपींस में करेगा निवेश

**नईदिल्ली।** देश के सबसे बड़े बिजनेसमैन गौतम अदाणी की अगुवाई वाला अदाणी ग्रुप अब फिलीपींस में अपना कारोबार बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अदाणी ग्रुप इस देश में पोर्ट्स, एयरपोर्ट्स, पावर और डिफेंस सेक्टर में निवेश करने की संभावनाएं तलाश रहा है। हाल ही में गौतम अदाणी के बेटे और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेडके मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद ही अदाणी पोर्ट्स के फिलीपींस में निवेश करने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। फिलीपींस प्रेसीडेंट ऑफिस की तरफ से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार मुताबिक अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन बटान पोर्ट को डेवलप करने की प्लानिंग कर रहा है। अदाणी पोर्ट्स फिलीपींस के बटान में एक 25 मीटर डीप पोर्ट को बनाने चाह रही है।

## मिजोरम में जीएसटी कलेक्शन अप्रैल में रिकॉर्ड 52 फीसदी बढ़ा

**नईदिल्ली।** मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि राज्य में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल में रिकॉर्ड 52 प्रतिशत बढ़ा। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए लालदुहोमा ने शुक्रवार को कहा कि मिजोरम में अप्रैल में जीएसटी संग्रह 108 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी महीने में राज्य का जीएसटी संग्रह 71 करोड़ रुपये रहा था। उन्होंने जीएसटी संग्रह में वृद्धि का श्रेय राज्य के वित्त, योजना और कराधान विभाग द्वारा किए गए बड़े प्रयासों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, जीएसटी संग्रह में वृद्धि का कारण वित्त, योजना और कराधान विभागों द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए प्रयास हैं। विशेष रूप से जनता और व्यापारिक समुदाय हमारे राजस्व को बढ़ाने के लिए कर देने के महत्व से अवगत है। उन्होंने दावा किया कि विधायकों और अधिकारियों द्वारा लागू किये जा रहे कम खर्च के उपायों के कारण राज्य की वित्तीय स्थिति स्थिरता की ओर बढ़ रही है।

## टीबीओ टेक का आईपीओ 8 मई को खुलेगा

**नईदिल्ली।** यात्रा सेवा प्रदाता टीबीओ टेक लिमिटेड 8 मई को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की पेशकश करेगा। एंकर निवेशक 7 मई को आईपीओ को सब्सक्राइब कर सकेंगे। कंपनी आईपीओ के जरिए 1,550 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी ने प्राइस बैंड का भी ऐलान कर दिया है। टीबीओ टेक का आईपीओ 08 मई 2024 से 10 मई 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 875 रुपये से 920 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। टीबीओ टेक आईपीओ का लॉट साइज 16 शेयरों का है। आईपीओ में भाग लेने के लिए खुदरा निवेशकों को न्यूनतम 14,720 रुपये निवेश करना होगा। एनआईआई के लिए, न्यूनतम लॉट साइज निवेश 14 लॉट (224 शेयर) है, कुल रू. 206,080, और बीएनआईआई के लिए, यह 68 लॉट (1,088 शेयर) है, कुल रू.1,000,960 है।

# आर्थिक क्षेत्र में नित नए विश्व रिकार्ड बनाता भारत

**प्रह्लाद सबनानी**

1 मई 2024 को अप्रैल 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण से सम्बंधित जानकारी जारी की गई है। हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी

से आगे बढ़ रही है।

आज भारत आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। वैश्विक स्तर पर विदेशी प्रेषण के मामले में आज भारत प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। भारत में आज सबसे बड़ा सिंक्रोनाईजड बिजली ग्रिड है। बैंकिंग क्षेत्र में वास्तविक समय लेनदेन की सबसे बड़ी संख्या आज भारत में ही सम्पन्न हो रही है। भारत आज विश्व में दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है एवं भारत आज पूरे विश्व में मोबाइल फोन का निर्माण करने वाला दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है। भारत में आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेट्वर्क है। मात्रा की दृष्टि से भारत में आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फार्मासीयूटिकल उद्योग है। भारत में आज पूरे विश्व में तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेट्वर्क है। भारत ने स्टार्टअप को विकसित करने के उद्देश्य से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा कर लिया है। भारत का स्टॉक बाजार, पूंजीकरण के मामले में, विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत में आज विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेट्वर्क है। विश्व में पैटेंट हेतु आवेदन किए जाने वाले देशों में भारत आज छठे स्थान पर आ गया है। आर्थिक क्षेत्र में भारत को यह सभी उपलब्धियां पिछले 10 वर्षों के दौरान प्राप्त हुई हैं।

पिछले केवल 10 वर्षों के दौरान शेयर बाजार में निवेशकों को अपार सफलता हासिल हुई है और सेन्सेक्स ने 200 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है, इसी प्रकार निफ्टी भी इसी अवधि में 206 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा है। यह स्थानीय एवं विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर अपना विश्वास जता रहा है। भारत में शेयर बाजार में व्यवहार करने के उद्देश्य से खोले जाने वाले डीमेट खातों की संख्या वर्ष 2014 में 2.2 करोड़ थी जो वर्ष 2024 में बढ़कर 15.13 करोड़ हो गई है अर्थात इन 10 वर्षों में 7 गुणा से अधिक की वृद्धि दर अर्जित की गई है। देश का प्रत्येक उद्यमी/उपक्रमी/व्यवसायी बहुत उत्साह में है कि देश में व्यापार करने हेतु वातावरण में बहुत सुधार हुआ है एवं ईज आफ डूइंग बिजनेस में काफी सुधार हुआ है। आज भारत ही नहीं बल्कि भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेश में भी पूंजी उगाहना बहुत आसान हो गया है। अत: एक प्रकार से उद्यमियों के लिए पूंजी की समस्या तो नहीं के बराबर रह गई है।

**क्रमश: ...**

# गौवंश और साधु-संतों की हत्या करवाने का कांग्रेस का पुराना इतिहास रहा है: पाण्डेय

## इंदिरा गांधी ने चलवाई थी गौ माता और साधु-संतों पर गोली, इसे कैसे भूल गए भूपेश जी

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में गौ वंश की हत्या को लेकर कांग्रेस और भूपेश बघेल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गौठान की दलाली खाने वाले, गौ माता का निवाला छीनकर हजारों गौ हत्या की जिम्मेदार भूपेश बघेल घड़ियाली आंसू ना बहाए। हिम्मत है तो भूपेश बघेल जवाब देकर दिखाएं। कोलकाता के मेयर रहे विकास रंजन भट्टाचार्य ने चौराहे पर बीफ पार्टी का आयोजन किया था। सरेआम गो मांस का भक्षण किया गया। विकास को तब इसका पुरस्कार दिया गया था। उसे कांग्रेस ने कम्युनिस्ट पार्टी के सहयोग से राज्यसभा भेजा। केरल की कांग्रेस के ही नेता रिजिन मुकुट्टी ने सरेआम चौराहे पर सार्वजनिक रूप से गाय को मीडिया के सामने काटा था तब कहां थे मिस्टर भूपेश बघेल?

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि मैं याद दिलाना चाहता हूं कि, सन 1966 में गौ वंश हत्या के विरोध में प्रभुदत्त जी ब्रहमचारी और करपात्री जी महराज के नेतृत्व में 184 दिन का अनशन हुआ था। जब गौवंश को लेकर जब संत चले थे तो उन पर गोली चलाने के लिए आदेश पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दिया था। इससे साधु-संतों के हुए नरसंहार पर तात्कालीन गृहमंत्री गुजराली लाल नंदा को इस्तीफा देना पड़ा था। कि इसका प्रमाण है कि आर्यवर्त सहित कई अखबारों में उस नरसंहार और गौ हत्या के वर्णन का प्रकाशन। इसलिए भूपेश बघेल पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ऐसी करतूतों को जानकर सोच समझकर बोला करें। कांग्रेस तो शुरू से ही गौ वंश के वध की समर्थक रही हैं।

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि कांग्रेस को गौ वंश की हत्या करने पर करपात्री महराज और संतों ने श्राप देते हुए कहा था, सत्ताधीशा हमने भी संविधान स्वीकार किया है। आपने संतों को मारा है हम संतों के खून को माफ करते हैं, लेकिन आपने गायों को मारा है, जाइए आपका सर्वनाश हो जाए। इस पर भूपेश बघेल क्यों नहीं बोलते, यह जान लें कि कांग्रेस का सर्वनाश होना तय है। क्योंकि भूपेश जी आपने भी गौ वंश के नाम पर भ्रष्टचार करने से नहीं चूके।

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई ने चलबो गोठान, खोलबो पोल अभियान चलाकर राज्य के गाँव-गाँव के गौठानों तक जब पहुँची तब इन गौठानों में भारी अनियमितता देखने मिली। न गाय, न गोबर, न चारा नजर आया। गौठानों में कोई व्यवस्था नहीं मिली। गोठानों की दुर्दशा देखने के बाद यह आईने की तरह साफ नजर आया कि भूपेश बघेल सरकार ने गोबर और चारा घोटाला किया है। भूपेश सरकार ने गौठानों की आड़ में हजारों करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया। इसी तरह कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने गाय के गोबर में भी सैकड़ों करोड़ रुपए का घोटाला किया। गोठान के नाम पर भूपेश बघेल ने हर गोठान में भ्रष्टाचार करने के लिए राजीव मितान क्लब के लोगों को वहां की देखरेख का जिम्मा सौंपा था।

संतोष पांडेय ने कहा गोठानों में गोवंशों की देखरेख के लिए उचित व्यवस्था न होने के कारण हजारों गोवंशों की मृत्यु हो गई थी। राहुल गांधी जब 2 सितंबर को छत्तीसगढ़ में राजीव मैदान क्लब के सदस्यों की बैठक लेने आये तो बैठक के बाद भोजन के पैकेट को खुले में छोड़ दिया। जिनको खाकर सैकड़ो गोमाताओं कि अकाल मृत्यु हो गई । इसी तरह गठानों ने भूख एवं प्यास से हजारों गायों की मौत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की भ्रष्टाचार के चलते हो गई थी। कांग्रेस सरकार द्वारा संचालित रोका छेका अभियान भी पूरी तरह से विफल रहा इस अभियान के तहत कांग्रेस ने भारी भ्रष्टाचार किया लेकिन सड़कों से मवेशियों को हटाने में कोई रुचि नहीं दिखाई जिसकी वजह से सैकड़ो गायों की सड़क हादसे में ही मृत्यु हो गई संतोष पांडेय ने कहा जब 246 करोड़ का गोबर प्रदेश सरकार ने खरीदा तो खरीदे गए गोबर का क्या बनाकर बेचा और उसकी कितनी कीमत मिली? इसके जवाब में भूपेश सरकार के मंत्री का जवाब आया कि हमने 86 लाख रुपए का ही सामान बेचा है और इसके बारे में भाजपा ने हिसाब लगाया तो 17 करोड़ रुपए की बिक्री का तथ्य सामने आया। प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया जवाब ही गलत था। कांग्रेस शासनकाल में एक परिवार की तीन महिलाओं ने 282 लाख किलो गोबर बेचा। ऐसे कई उदाहरण हैं।

# भाजपा का सवाल : राधिका मामले में कांग्रेस जांच करने का दिखावा रही है?

## किरण सिंह देव ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के साथ हुई बदसलूकी के मामले में कांग्रेस की रीति-नीति पर जमकर हमला बोला और सवाल दागा

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के साथ हुई बदसलूकी के मामले में कांग्रेस की रीति-नीति पर जमकर हमला बोला और सवाल दागा है कि राधिका खेड़ा के मामले में कांग्रेस जांच करने का दिखावा कर मामले की लीपापोती क्यों कर रही है? श्री देव ने कहा कि जब यह घटना हुई, उसके ठीक दूसरे दिन कांग्रेस के नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर पवन खेड़ा तो रायपुर में थे। अगर वह चाहते कि सचमुच राधिका खेड़ा को न्याय मिले तो वहीं आमने-सामने सारी बात सुनकर मामले का पटाक्षेप कर देते और सुश्री खेड़ा को न्याय दिलवा देते। श्री देव ने कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री राधिका खेड़ा को विश्वास दिलाया है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के रहते उनको कुछ नहीं होगा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की गारंटी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा का शासन है, सुश्री खेड़ा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराती हैं तो प्रदेश सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी होकर, यथोचित कानूनी कार्रवाई कर न्याय दिलाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि इस पूरे मामले के मद्देनजर हैरत तो इस बात पर हो रही है कि लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का जुमला उछालने वालीं कांग्रेस नेत्री प्रियंका वाड्रा छत्तीसगढ़ आकर महिला सम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण की डींगें हाँक गईं, पर इस मामले में उनके मुँह से दो बोल तक नहीं फूटे और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तो इस मुद्दे पर सवालों से बचने के लिए यहाँ आयोजित अपनी पत्रकार वार्ता ही रद्द करके दिल्ली लौट गए। छत्तीसगढ़ आकर दिल्ली लौटने के बाद पवन खेड़ा को भी इस मामले की सुध लेना याद आया! श्री देव ने कहा कि दरअसल महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से खिलवाड़ करना कांग्रेस के डीएनए में रचा-बसा है। कांग्रेस में महिला नेत्रियों के साथ किस तरह दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है, यह सुश्री खेड़ा के साथ हुई बदसलूकी से एकदम साफ है। देव ने कहा कि पीड़ित पक्ष कोई साधारण महिला नहीं है, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं और वह खुलेआम कह रही हैं, सोशल मीडिया पर लिख रही है कि उनसे दुर्व्यवहार हुआ। श्री देव ने कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री खेड़ा के उस ट्वीट का उल्लेख भी किया, जिसमें सुश्री खेड़ा ने दो दिन पूर्व कहा था- दुशील को लेकर कका का मोह एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल आखिर क्यों अपनी ही पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता के अपमान की कीमत पर किसी के प्रति मोहग्रस्त हैं? क्या भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में एक महिला को ए लड़की कहकर अपमानित की तर्ज पर ही अब सुश्री खेड़ा को भी उसी भाषा में नसीहत देने की फिराक में हैं कि %ए लड़की, ज्यादा राजनीति मत कर।%

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि कांग्रेसियों के लिए इससे अधिक शर्मनाक और क्या हो सकता है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के पास न्याय मांगने के लिए सुश्री खेड़ा को सुरक्षा के लिहाज से अपनी माँ के साथ जाना पड़ा! महिलाओं के सम्मान, उनके लिए महालक्ष्मी न्याय योजना और लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ का ढोल पीट रही कांग्रेस और प्रियंका वाड्रा यह बताएँ कि जब कांग्रेस में ही महिला नेत्रियों का सम्मान सुरक्षित नहीं है, राष्ट्रीय स्तर की नेत्री को ही न्याय के लिए पाँच दिनों से इंतजार करना पड़ रहा है, वह कांग्रेस देश की महिलाओं के सम्मान की रक्षा और उनके साथ क्या खाक न्याय करेगी? श्री देव ने कहा कि कांग्रेस कभी महिलाओं का सम्मान नहीं करना चाहती है, क्योंकि अगर कांग्रेस नेतृत्व राधिका खेड़ा को न्याय दिलाता है तो उसे अर्चना गौतम को भी न्याय दिलाना पड़ता जिनसे प्रियंका वाड्रा के निज सचिव ने रायपुर में हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रियंका की मौजूदगी में बदसलूकी की थी। श्री देव ने हैरत जताई कि जिस कांग्रेस के एकमात्र मालिक गांधी परिवार के तीन में से दो मुखिया महिलाएँ हैं, वह कांग्रेस आज भी महिलाओं को इस्तेमाल करके भूल जाती है। कांग्रेस महिलाओं से न्याय, उनके सम्मान और सशक्तीकरण की बातें सिर्फ घोषणा पत्र में करती है, जमीनी धरातल पर वह महिलाओं को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करके उनसे हर बार छलावा ही करती है, यह एक बार फिर साबित हो गया।

# कांग्रेस देश की मातृशक्ति को ठगने का काम रही: साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक रंजना साहू ने कांग्रेस की महालक्ष्मी न्याय योजना पर कांग्रेस के दोहरे मापदंडों पर भी तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने सदैव महिलाओं के साथ छल करके केवल वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने का राजनीतिक चरित्र प्रदर्शित किया है। श्रीमती साहू ने कहा कि कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में गंगा मैया की सौगंध खाकर महिलाओं से धोखा किया और अब महालक्ष्मी न्याय योजना के नाम पर कांग्रेस देश की मातृशक्ति को ठगने का काम कर रही है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि कांग्रेस महालक्ष्मी योजना को लेकर ढोल तो खूब पीट रही है, लेकिन अपने घोषणापत्र में वह इस बारे में कुछ और कह रही है। श्रीमती साहू ने इस योजना को लेकर कांग्रेस के प्रचार के ढोल की पोल खोलते हुए कांग्रेस घोषणापत्र में उल्लिखित बिंदुओं का खुलासा किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि-

नए प्रत्येक भारतीय गरीब परिवार को बिना शर्त नगद हस्तांतरण के रूप में 1 लाख रुपए प्रतिवर्ष प्रदान करने के लिए एक महालक्ष्मी योजना शुरू करने का संकल्प लिया है। हितग्राहियों की पहचान सबसे जरूरतमंद परिवारों में से की जाएगी। इसी प्रकार यह राशि सीधे घर की सबसे बुजुर्ग महिला के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। बुजुर्ग महिला नहीं रहने पर इस परिवार के सबसे बुजुर्ग सदस्य के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। योजना को चरणों में शुरू किया जाएगा और लाभार्थी परिवारों की संख्या और गरीबी उन्मूलन पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए हर साल समीक्षा की जाएगी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती साहू ने कहा कि कांग्रेस एक तरफ प्रत्येक महिलाओं को एक लाख रु. सालाना देने की बात कह रही है जबकि उसका घोषणापत्र कह रहा है कि गरीब परिवारों की किसी एक महिला को यह राशि दी जाएगी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की पूर्ववर्ती भूपेश सरकार द्वारा महिलाओं के साथ की गई धोखाधड़ी का जिक्र करते हुए श्रीमती साहू ने कहा कि महतारी सम्मान योजना के तहत प्रति माह 500 रुपए और विधवा और वृद्ध महिलाओं को 1000 रुपए का वादा करके पाँच साल में एक रुपया तक महिलाओं को नहीं दिया गया और अब 8,333 रुपए हर माह देने का वादा करके सत्ता हासिल करने कांग्रेस किस स्तर तक मातृशक्ति के साथ धोखाधड़ी करने की मंशा पाले बैठी है!

# लोकसभा चुनावों की वोटिंग के पहले फिर कांग्रेस को बड़ा झटका

**रायपुर।** जिला पंचायत की अध्यक्ष यनिता चन्द्रा अपने सैकड़ो समर्थको सहित आज भारतीय जनता पार्टी कार्यालय जांजगीर मे छग भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन संभाग प्रभारी अनुराग सिंह देव पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल महासमुंद भाजपा प्रत्याशी जिलाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी संयोजक कृष्णकांत चन्द्रा जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल सहित वरिष्ठ नेताओ की उपस्थिति मे आज भाजपा की रीति निति से प्रभावित होकर भाजपा दामन थाम लिया भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन व भाजपा के नेताओ ने यनिता चन्द्रा का भाजपा परिवार मे दुपट्टा माला पहनाकर स्वागत किया उनके साथ उनके पति यशवंत चन्द्रा सहित सैकड़ो समर्थको ने भाजपा प्रवेश किया नितिन नवीन ने उपस्थित सभी लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस अब पतन की ओर है.

# अपराजेय योद्धा बृजमोहन को अब सांसद बनाना है : साय

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के गुढ़ियारी में कहा कि आठ बार के विधायक, राजनीती के अपराजेय योद्धा, जनप्रिय नेता बृजमोहन अग्रवाल को अब सांसद बनाना है, ये आशीर्वाद मैं आप सभी से मांगने आया हूँ। उन्होंने बृजमोहन अग्रवाल को आमजन के सुख-दुःख का साथी बताया और कहा कि जैसे उन्होंने रायपुर शहर को संवारा अब उनके सांसद बनने से रायपुर लोकसभा का सांय-सांय विकास होगा। इसलिए आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाएं, भाजपा को जिताएं।

श्री साय ने कहा कि ये चुनाव देशवासियों के हित के लिए 24 घंटे में 18 घंटे काम करने वाले मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। श्री साय ने लोकसभा चुनाव को मोदी जी के नेतृत्व में 2029 तक भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति और 2047 तक विकसित भारत बनाने का चुनाव बताया।

# 26 सटोरिए को पकड़ा पुणे से, महादेव-अन्ना रेड्डी एप से खिला रहे थे सट्टा

**रायपुर।** आईपीएल सट्टे पर रायपुर पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है. पुणे (महाराष्ट्र) से 26 सटोरियों को गिरफ्तार किया है. ये सटोरिए महादेव और अन्ना रेड्डी एप से करोड़ों का सट्टा खिला रहे थे. आरोपियों के कब्जे से 11 लैपटॉप, 98 मोबाइल फोन, कैल्कुलेटर 01 नग, वाईफाई 02 नग, रजिस्टर 03 नग, 30 पासबुक 30, 9 चेक बुक, 81 एटीएम और 50 सिम कार्ड जब्त किया गया है. पकड़े गए सटोरिए मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं.



सभी आरोपी पुणे में बैठकर अन्ना रेड्डी 67, महादेव पैनल 149 एवं लेजर 10 आईडी पैनल से आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा का संचालन कर रहे थे. एक-एक आईडी को 35 से 50 लाख रुपए में लिया गया था. सटोरियों से जब्त लैपटॉप एवं मोबाइल फोन में लगभग 30 करोड़ से अधिक के लेन-देन की जानकारी मिली है. मोबाइल एवं बैंक खातों से हजारों प्लेयर की जानकारी भी प्राप्त हुई है. सटोरियों के विरूद्ध थाना गंज में अपराध दर्ज है. बता दें कि वर्ष 2024 के आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम अब तक 9 मामलों में कुल 57 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम एवं थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने हाल में ही गोवा से 8 सटोरियों को गिरफ्तार किया था. उनके कब्जे से 04 नग लैपटॉप, 01 नग कैमरा, 01 नग कैल्क्यूलेटर, 27 नग मोबाइल फोन, 01 राउटर एवं लिंक कनेक्टर जुमला कीमती लगभग 10,00,000 रुपए और 11 नग एटीएम कार्ड एवं 01 चेक बुक जब्त किया था. सटोरियों से पूछताछ में पता चला कि उनके अन्य साथी महाराष्ट्र के पुणे में बैठकर महादेव एप पैनल के माध्यम से सट्टा संचालित कर रहे हैं. गिरफ्तार सटोरियों में राहुल कोल्हाटकर निवासी ग्राम निलजी जिला बालाघाट, समीर मेश्राम उर्फ बबल निवासी ग्राम माहुद जिला मोहला मानपुर। अनुराग डहरियागुलाबरा गली नंबर 18 जिला छिन्दवाडा। अक्षत दुबे अवंति विहार रायपुर ।

# वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुमार व गिरीश पंकज को दिया कलेक्टर की पाती और किया मतदान का आग्रह

**रायपुर।** जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर गौरव सिंह आज वरिष्ट पत्रकारों के यहां पहुँचे और मतदान के लिए आग्रह किया। कलेक्टर आज सुबह वरिष्ट पत्रकार एवं सांध्य दैनिक समाचार पत्र छत्तीसगढ़ के प्रधान संपादक सुनील कुमार के घर गए और उन्हे और उनकी श्रीमती पत्नी रेणु महेश्वरी को कलेक्टर की पाती और पीला चावल देकर मतदान का आग्रह किया। सुनील कुमार ने कलेल्टर की इस पहल की सराहना की। वरिष्ट पत्रकार एवं साहित्यकार गिरीश पंकज के घर भी कलेक्टर सिंह गए और कलेक्टर की पाती और पीला चावल देकर मतदान का आग्रह किया। गिरीश पंकज ने कहा यह सराहनीय पहल है। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त से अविनाश मिश्रा जिला पंचायत सीइओ विश्वदीप जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति निशा मिश्रा और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.